RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 285 ता. 24 अप्रेल 2021, शनिवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कोरोना के नए वैरिएंट के कारण देश में संक्रमण तेजी से फैलने के सुबूत नहीं- वैज्ञानिकों का दावा

नई दिल्ली। विज्ञानियों ने दावा किया है कि देश में कोरोना वायरस के एक नए वैरिएंट (स्वरूप) का पता लगा है जो तेजी से फैल सकता है और मानव शरीर की प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्युनिटी को चकमा देने में सक्षम है। हालांकि इस बात का कोई सुबूत नहीं है कि नए वैरिएंट के कारण देश में या बंगाल में वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है।नए वैरिएंट का पता सबसे पहले बंगाल में ही लगा था। नए स्वरूप को बी.1.618 नाम दिया गया है जो बी.1.617 से अलग है और इसे डबल म्यूटेंट वायरस के रूप में भी जाना जाता है। माना जा रहा है कि देश में दूसरी लहर में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि के पीछे यही वैरिएंट है। नई दिल्ली स्थित सीएसआइआर-इंस्टीट्यूट आफ जीनोमिक एंड इंटीग्रेटिव बायोलाजी (सीएसआइआर-आइजीआइबी) के निदेशक अनुराग अग्रवाल ने कहा, %चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मानक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बी.1.618 के संबंध में जांच की जा रही है। बी.1.618, भारत में मुख्य रूप से पाए जाने वाले सार्स-सीओवी-2 का एक नया वैरिएंट है। गुरुवार को संक्रमण के रिकार्ड नए मामले सामने आने के बाद पैदा हुई चिंताओं को दूर करने का प्रयास करते हुए विज्ञानियों ने ने अधिक शोध और कोविड संबंधी प्रोटोकाल के पालन पर जोर दिया।

महाराष्ट्र में एक और दर्दनाक हादसा:

विरार के एक अस्पताल में लगी भीषण आग, 13 मरीजों की मौत

मुंबई। कोरोना की तबाही से जूझ रहे महाराष्ट्र में आज यानी शुक्रवार को एक और बड़ा हादसा हो गया। महाराष्ट्र के पालघर जिले में विरार के विजय वल्लभ कोविड अस्पताल में आग लग गई, जिसमें 13 मरीजों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी पीटीआई ने पुलिस के हवाले से यह जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि विरार के इस विजय वल्लभ कोविड केयर अस्पताल में यह आग शॉर्ट-सर्किट की वजह से लगी है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि अस्पताल के आईसीयू में सुबह करीब तीन बजे यह आग लगी। फिलहाल, कई मरीजों को अस्पताल से रेस्क्यू किया गया है। इस अस्पताल में 16 मरीजों का इलाज चल रहा था। फिलहाल, मौके पर पुलिस से लेकर दमकलकर्मियों की टीम मौजूद है और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। वहीं, डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर कंट्रोल सेल के प्रमुख विवेकानंद कदम ने पीटीआई को बताया कि आईसीयू के एसी यूनिट में एक धमाके की वजह से आग लगी। वसाई विरार नगर निगम के फायर फाइटरों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इससे दो दिन पहले महाराष्ट्र के नासिक में एक अस्पताल में भंडारण संयंत्र से लीकेज के बाद ऑक्सीजन की आपूर्ति बंद हो जाने की घटना में 24 मरीजों की मौत हो गई थी। दिन में टैंक में रिसाव से आपूर्ति बंद हो जाने के कारण उन्हें उचित मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल सकी। महाराष्ट्र के नासिक में नगर निगम द्वारा संचालित डॉ जाकिर हुसैन अस्ताल में भंडारण संयंत्र से लीकेज के बाद ऑक्सीजन की आपूर्ति बंद हो जाने से कम से कम 22 मरीजों की मृत्यु हो गई। अस्पताल में कुल 150 मरीज थे। अस्पताल में ऑक्सीजन के रिसाव और आपूर्ति में व्यवधान के कारण 24 कोविड मरीजों की मौत के मामले में सात सदस्यीय समिति से जांच कराने की घोषणा की है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि समिति का नेतृत्व नासिक के संभागीय आयुक्त राधाकृष्ण गामे करेंगे। उन्होंने कहा कि समिति मौजूदा सुरक्षा मानदंडों को अद्यतन बनाने के संबंध में भी सिफारिशें देगी। मंत्री ने कहा, अगर कोई इन मौतों के लिए जिम्मेदार है, तो उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा

● विरार के इस विजय वल्लभ कोविड केयर अस्पताल में यह आग शॉर्ट-सर्किट की वजह से लगी है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि अस्पताल के आईसीयू में सुबह करीब तीन बजे यह आग लगी। फिलहाल, कई मरीजों को अस्पताल से रेस्क्यू किया गया है। इस अस्पताल में 16 मरीजों का इलाज चल रहा था। फिलहाल, मौके पर पुलिस से लेकर दमकलकर्मियों की टीम मौजूद है और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

भरे टैंकरों को लेकर आज मुंबई पहुंचेगी पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस

मुंबई। भारत में कोरोना वायरस के कहर के बीच ऑक्सीजन को लेकर भी चारों तरफ हाहाकार है। इस बीच राहत की खबर है कि विशाखापट्टनम स्टील प्लांट से लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंकरों को लेकर ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन के शनिवार को मुंबई पहुंचने की संभावना है। इस बीच लखनऊ से बोकारो स्टील प्लांट के लिए खाली ऑक्सीजन टैंकर लेकर ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन को ग्रीन कोरिडोर से भेजा जा रहा है। बता दें कि महाराष्ट्र की हालत कोरोना से सबसे अधिक खराब है। देश में विभिन्न अस्पतालों और कोविड-19 मरीजों के लिए ऑक्सीजन कमी को पूरा करने के लिए भारतीय रेल ने विशेष ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन शुरू की है। इससे सड़क मार्ग से लाने-ले जाने वाले ऑक्सीजन टैंकरों को जल्दी से जल्दी विभिन्न स्टील प्लांट पर ले जाकर वहां से ऑक्सीजन भरकर बड़े शहरों तक पहुंचाया जा सकेगा। गुरुवार को विशाखापट्टनम में स्टील प्लांट में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंकरों में भरी गई है। मेडिकल ऑक्सीजन टैंकर लेकर ट्रेन शनिवार को मुंबई पहुंच जाएगी। इस बीच एक और ऑक्सीजन एक्सप्रेस लखनऊ से बोकारो स्टील प्लांट के लिए रवाना हुई है। ट्रेन को ग्रीन कॉरिडोर से 62 किलोमीटर प्रति घंटे की औसत गति से ले जाया जा रहा है। ट्रेन बोकारो स्टील प्लांट से लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन लेकर वापस उत्तर प्रदेश आएगी। इस बीच मध्य प्रदेश व अन्य राज्यों के लिए भी ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की तैयारी की जा रही है। इधर, उत्तर प्रदेश के मेरठ में संतोष हॉस्पिटल के बाद मेरठ मेडिकल कॉलेज में भी ऑक्सीजन के कारण मरीजों की जान पर बन आई। हालांकि मोदीनगर से मेरठ तक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 20 मिनट में व्यवस्था कराई गई, तब जाकर ऑक्सीजन के साथ टीम मेडिकल पहुंची। अधिकारियों के अनुसार मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में दो कंपनियों की ओर से ऑक्सीजन की सप्लाई होती है। मेडिकल इमरजेंसी में 75 से 80 मरीजों का इलाज हो रहा है। 68 मरीजों को ऑक्सीजन भी दी जा रही है।

अस्पतालों का चक्कर लगाने के बाद भी नहीं मिला बेड, दो मरीजों ने जीटीबी में दम तोड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल में गुरुवार देर रात दो मरीजों ने इमरजेंसी के बाहर ही दम तोड़ दिया। इससे पहले ये मरीज कई अस्पतालों में चक्कर लगाकर आए थे लेकिन उन्हें कहीं भी बेड नहीं मिला। इसके बाद जब ये जीटीबी आए तो इन्होंने इमरजेंसी के बाहर ही दम तोड़ दिया। इनमें एक महिला और एक बुजुर्ग शामिल हैं। गुरुवार रात 12 बजे जीटीबी अस्पताल के आपातकालीन विभाग के बाहर एक महिला को परिजन कार में लेकर आए। गाड़ी से निकलते ही महिला बेहोश हो गई। महिला की हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तुरंत सीपीआर और दवा दी लेकिन करीब पांच मिनट की काफी कोशिशों के बाद भी मरीज की जान नहीं बचाई जा सकी। इससे पहले चार अस्पतालों के चक्कर लगाने के बाद जीटीबी पहुंचे एक बुजुर्ग मरीज ने स्ट्रेचर पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी मिली है कि मरीज को सांस लेने में तकलीफ थी लेकिन समय पर अस्पताल में बेड और ऑक्सीजन न मिलने की वजह से उनकी मौत हो गई। इसी बीच रात 12 बजकर 28 मिनट पर एक महिला डॉक्टर के आगे हाथ जोड़कर ?अपने पति को भर्ती करने के लिए रोती रही। महिला रोते रोते बोल रही थी कि उनके पति को सांस नहीं आ रही है। उनका ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म होने वाला है। डॉक्टर साहब, इन्हें ऑक्सीजन दे दो। इन्हें भर्ती कर लो। हालांकि 20 मिनट तक अपील करने के बाद जब डॉक्टरों ने काफी कोशिशों के बाद उन्हें समझाया कि अस्पताल में एक भी बेड खाली नहीं है न ही उनके पास अतिरिक्त ऑक्सीजन का पॉइंट है जिसके माध्यम से उनके पति को बचाया जा सके। हालांकि डॉक्टरों ने मरीज को एक इंजेक्शन दे दिया। इसके बाद महिला अपने पति को एक कार में लेकर राम मनोहर लोहिया चली गई। अस्पताल के आपातकालीन विभाग में तैनात डॉक्टरों ने अपनी पहचान नहीं बताई लेकिन उन्होंने कहा कि हमारे पास संसाधनों की कमी है। हम इस वक्त बिलकुल नहीं चाहते कि कोई मरीज हमारे यहां से वापस जाए लेकिन जिन मरीजों को सांस लेने में दिक्कत है उन्हें हम ऑक्सीजन नहीं उपलब्ध करा सकते हैं क्योंकि हमारे पास अतिरिक्त पॉइंट नहीं है। अगर मरीज को बुखार या अन्य कोई दिक्कत है तो उसे स्ट्रेचर पर रखकर इमरजेंसी स्थिति में उपचार दिया जा रहा है।

ऑक्सीजन के लिए मोदीनगर से मेरठ तक बना ग्रीन कॉरिडोर, 75 मरीजों की बची जान

मेरठ। संतोष हॉस्पिटल के बाद मेरठ मेडिकल कॉलेज में भी ऑक्सीजन के कारण मरीजों की जान पर बन आई। हालांकि मोदीनगर से मेरठ तक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 20 मिनट में व्यवस्था कराई गई, तब जाकर ऑक्सीजन के साथ टीम मेडिकल पहुंची। अधिकारियों के अनुसार मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में दो कंपनियों की ओर से ऑक्सीजन की सप्लाई होती है। मेडिकल इमरजेंसी में 75 से 80 मरीजों का इलाज हो रहा है। 68 मरीजों को ऑक्सीजन भी दी जा रही है। लगातार ऑक्सीजन की सप्लाई मरीजों को होती है। बुधवार से मेडिकल इमरजेंसी में ऑक्सीजन की दिक्कत हो रही है। बुधवार को भी रात में ऑक्सीजन की सप्लाई थोड़ी देर के लिए बाधित हुई तो अफरातफरी मच गई। गुरुवार को भी मेडिकल इमरजेंसी में ऐसी ही स्थिति हुई। शाम में अचानक ऑक्सीजन की सप्लाई डाउन हो गई। एक टैंकर सिलेंडर तो पहुंच गया, लेकिन उस टैंकर से संबंधित महत्वपूर्ण एक उपकरण नहीं था। इस कारण इमरजेंसी में टैंकर से सप्लाई लाइन नहीं जोड़ी जा सकी। यह सूचना जैसे ही मेडिकल कॉलेज

● अधिकारियों के अनुसार मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में दो कंपनियों की ओर से ऑक्सीजन की सप्लाई होती है। मेडिकल इमरजेंसी में 75 से 80 मरीजों का इलाज हो रहा है।

प्राचार्य डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार और एडीएम सिटी अजय कुमार तिवारी को मिली तो सभी थोड़ी देर के लिए सकते में आ गए। एडीएम सिटी ने एसपी सिटी, एसपी ट्रैफिक और अन्य अधिकारियों से वार्ता की। तब तक आक्सीजन कंपनी की टीम मोदीनगर से निकल गई। परतापुर पुलिस, ट्रैफिक इंस्पेक्टर सुधीर शर्मा और एसीएम संदीप श्रीवास्तव को परतापुर से मेडिकल के बीच 'ग्रीन कॉरिडोर' के तहत सारी व्यवस्था करने को कहा गया। ऑक्सीजन कंपनी की टीम को परतापुर से परतापुर पुलिस लेकर शाप्रिक्स मॉल तक पहुंची। वहां से ट्रैफिक इंस्पेक्टर, एसीएम और एक पुलिस गाड़ी सारा रास्ता साफ करते हुए मेडिकल पहुंचा। एडीएम सिटी और मेडिकल प्राचार्य आपातकालीन व्यवस्था की तैयारी में जुटे रहे। 20 मिनट में टीम मोदीनगर से मेडिकल पहुंच गई। टैंकर से ऑक्सीजन की सप्लाई को कनेक्ट किया जा सका। मरीजों को ऑक्सीजन सप्लाई चालू हो सकी।

एडीएम सिटी अजय कुमार तिवारी ने बताया कि मेडिकल इमरजेंसी में ऑक्सीजन को लेकर थोड़ी दिक्कत हो गई, लेकिन पुलिस, प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने मोदीनगर से मेडिकल तक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर व्यवस्था कराई गई। मरीजों को दिक्कत नहीं होने दी गई। थोड़ी देर के लिए अफरातफरी रही

बिहार में स्कूल और कॉलेज 15 मई तक बंद पर इन शर्तों के साथ शिक्षक और प्राचार्य रोजाना आएंगे

पटना। बिहार सरकार ने 18 अप्रैल को ही कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर की भयावहता को देखते हुए राज्य के सभी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग और अन्य शिक्षण संस्थानों को 15 मई तक के लिए बंद कर दिया है। इस आदेश को पांच दिन बाद स्पष्ट करते हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार ने गुरुवार को सभी जिलाधिकारियों व जिलाशिक्षा पदाधिकारियों को आदेश जारी किया है। इसके मुताबिक स्कूल, कॉलेज तो बंद रहेंगे लेकिन शिक्षक और प्राचार्य आते रहेंगे। गौरतलब है कि इससे पूर्व अपर मुख्य सचिव ने 18 अप्रैल तक की स्कूलबंदी के लिए आदेश निर्गत किया था। आगे के लिए कोई पत्र नहीं जारी होने से कई जिलों में शिक्षकों के बीच ऊहापोह की स्थिति थी। कई जिलों में 19 अप्रैल से शिक्षकों के स्कूल नहीं आने का भी आदेश जारी हो गया था। बहरहाल गुरुवार को जारी आदेश में अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि सभी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान एवं शैक्षणिक संस्थान 15 मई तक बंद रहेंगे, हालांकि ऑनलाइन शैक्षणिक कार्यक्रम पूर्ववत चलते रहेंगे। वैसे प्राथमिक विद्यालय जहां दो ही शिक्षक हैं, वहां बारी-बारी से शिक्षक विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। मध्य, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संदर्भ में प्रधानाध्यापक या प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रतिदिन उपस्थित रहेंगे तथा शेष शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मी प्रतिदिन बारी-बारी से 33 फीसदी उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों के संदर्भ में अपर मुख्य सचिव ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि सह प्राध्यापक, प्राध्यापक एवं उनके समकक्ष स्तर एवं ऊपर के सभी पदाधिकारी रोज उपस्थित रहेंगे तथा सहायक प्राध्यापक एवं उनके समकक्ष पदाधिकारी तथा उनसे न्यून सभी पदाधिकारी एवं कर्मी बारी-बारी से रोजाना 33 फीसदी उपस्थित रहेंगे।

यूपी के सरकारी ऑफिसों में तीन शिफ्ट में होगा काम

लखनऊ। राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमणकाल को देखते हुए सरकारी कार्यालयों में 50 फीसदी कर्मियों को अब तीन शिफ्टों में बुलाने का फैसला किया है। प्रत्येक शिफ्ट आधे-आधे घंटे के अंतराल पर रखा गया है। मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया है।

पहला शिफ्ट नौ बजे से

राज्य सरकार ने कोरोना महामारी को देखते हुए नौ अप्रैल से 50 फीसदी कर्मियों को रोस्टर के हिसाब से कार्यालय बुलाने का आदेश किया था। इसमें संशोधन करते हुए इसे तीन शिफ्टों में कर दिया गया है। पहला शिफ्ट नौ से 5.30 बजे, दूसरा 9.30 से छह बजे और तीसरा शिफ्ट 10 से शाम 6.30 बजे तक का होगा। सचिवालय, विधान परिषद, विधानसभा सचिवालय और निदेशालयों में इसके आधार पर ही अब अधिकारियों और कर्मचारियों को बुलाया जाएगा।

रोस्टर के अनुसार घर से काम करने वाले कर्मी अपने मोबाइल व इलेक्ट्रानिक साधनों के माध्यम से कार्यालय के संपर्क में रहेंगे। उन्हें जरूरत के अनुसार पड़ने पर कार्यालय बुलाया जाएगा। यह दिशा-निर्देश उन कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा जो आकस्मिक व आवश्यक सेवाओं से जुड़े हैं

रोस्टर बनाकर बुलाया जाए

सभी विभागाध्यक्ष व नियंत्रक प्राधिकारी इस प्रकार की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक दिन कार्यालयों में अनुसचिव स्तर के अधिकार व अन्य तैनात 50 फीसदी कार्मिकों की उपस्थिति सुनिश्चित हो। शेष 50 फीसदी घर से ही काम करेंगे। इसके लिए कार्मिकों का रोस्टर तय किया जाएगा। इस संबंध में परामर्श दिया जाता है कि वह अपने यहां कार्यरत कर्मिकों का साप्ताहिक रोस्टर इस बनाएं कि वैकल्पिक सप्ताह में कार्यालय आएं। कार्यालय आने वाले कार्मिकों का चिह्नीकरण करते हुए समय घर से दूरी व कार्यालय आने में उपयोग किए जाने वाले स्वयं के साधनों का भी ध्यान रखा जाएगा।

वीडियो कांफ्रेंसिंग से ही मीटिंग

रोस्टर के अनुसार घर से काम करने वाले कर्मी अपने मोबाइल व इलेक्ट्रानिक साधनों के माध्यम से कार्यालय के संपर्क में रहेंगे। उन्हें जरूरत के अनुसार पड़ने पर कार्यालय बुलाया जाएगा। यह दिशा-निर्देश उन कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा जो आकस्मिक व आवश्यक सेवाओं से जुड़े हैं या कोविड-19 के रोकाम में प्रत्यक्ष भूमिका निभा रहे हैं। सीढ़ियां, लिफ्ट व पार्किंग एरिया में भीड़ न लगने दी जाए। कार्यालय में सैनिटाइजेशन, मास्क, दो गज की दूरी व अन्य उय अपनाए जाएंगे। मीडिया यथा संभव वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ही की जाएगी। बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश कार्यालय में वर्जित किया जाए और 45 वर्ष अधिक से कार्मिों को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित किया जाए।

टीकाकरण की नई मुहिम के अगुवा बनेंगे विश्वविद्यालय और कालेज, यूजीसी ने बनाई रणनीति

नई दिल्ली। देश भर में एक मई से कोरोना टीकाकरण का एक नया चरण शुरू होने जा रहा है। इसमें 45 साल की उम्र से नीचे और 18 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों को भी टीका लगाया जाएगा। उम्मीद है कि टीकाकरण के इस नई मुहिम से कोरोना संक्रमण की रफ्तार थामने में मदद मिलेगी। सरकार के फैसले से टीकाकरण के दायरे में देश की एक बड़ी आबादी आ गई है। इनमें से भी बड़ी संख्या ऐसे आयु वर्ग की है, जो मौजूदा समय में विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत है। जिन्हें इस चरण में प्राथमिकता पर टीका लगाने की तैयारी है।

यूजीसी ने इससे जुड़ी रणनीति पर शुरू किया काम-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इससे जुड़ी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों से भी अपने स्तर पर योजना तैयार करने को कहा गया है। इसका स्वरूप क्या होगा, यह टीकाकरण के नए चरण को लेकर सरकार की योजना सामने आने के बाद अगले हफ्ते तक साफ हो सकेगा। यूजीसी के सचिव रजनीश जैन

के मुताबिक टीकाकरण के इससे पहले के चरणों में भी सभी विश्वविद्यालयों और कालेजों को तय उम्र के दायरे में आने वाले संस्थान के सभी लोगों का टीकाकरण कराने के लिए कहा गया था। साथ ही इसे लेकर आम लोगों को जागरूक करने को कहा था।

एक मई से शुरू हो रही मुहिम में सभी छात्रों को लगाया जाएगा टीका-

उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, असम सहित कई राज्यों ने 18 से 45 साल की आयु वर्ग को मुफ्त में टीका उपलब्ध कराने का एलान किया है। माना जा रहा है कि यदि टीकाकरण की इस मुहिम में मई और जून तक उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़े ज्यादातर छात्रों का टीकाकरण हो जाता है, तो जुलाई से संस्थानों को सुचारु रूप से शुरू किया जा सकता है।

गौरतलब है कि देश में मौजूदा समय में एक हजार से ज्यादा विश्वविद्यालय और करीब पचास हजार कालेज हैं। इनमें करीब पचास केंद्रीय विश्वविद्यालय भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त करीब डेढ़ सौ दूसरे उच्च शिक्षण संस्थान हैं।

कोरोना वायरस को लेकर रहस्यमयी चुप्पी ?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस का पहला मरीज चीन के वहां शहर में मिला। चीन की प्रयोगशाला में रासायनिक अथवा जैविक परीक्षण के दौरान इस वायरस के फैलने की बात कही गई। किन्तु आज लगभग डेढ़ वर्ष में दुनिया भर के देशों में लाख मरीजों की मौत हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन अभी तक कोरोना से बचाव एवं वायरस के संबंध में प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। उल्टे भय के कारण हर देश में प्रतिदिन तरह-तरह की दवाईयों, इंजेक्शन, वैक्सीन को लेकर खरबों रुपयों का दवाईयों एवं चिकित्सा का नया व्यवसाय शुरु हो गया है। आम आदमी एवं सरकारों की प्राथमिकता पिछले डेढ़ वर्ष से कोरोना वायरस के बचाव के लिए, लाकडाउन, मास्क, पीपीई किट, इम्युनिटी बढ़ाने एवं आक्सीजन की आपूर्ति लेकर जो तरह-तरह के दावे किए जा रहे है। उसके बाद भी कोरोना वायरस को रोकने में सारी दुनिया के देशों में असफलता हाथ लगी है। यह रासायनिक-जैविक हमला है अथवा वायरस इस बारे में इटली के डाक्टरों की रिपोर्ट भले ही प्रमाणिक नहीं है किन्तु इसे लेकर जो सवाल उठाये जा रहे हैं वे गैर बाज़िब नहीं हैं। सोशल मीडिया में भी एक मैसेज बार-बार प्रसारित किया जा रहा है जिसका सार यह है कि इटली में पहली बार एक कोरोनावायरस से मृत व्यक्ति के शरीर का पोस्टमार्टम यानी ऑटोप्सी गई। जिससे यह पता चला कि लोग कोरोनावायरस नहीं मौत का कारण एक बैक्टीरिया है। यह कुछ हद तक सच हो सकती है। शरीर के भीतर हमारे आंतरिक अंगों में कुछ बैक्टीरिया लाभदायक हैं और कुछ मौत का कारण भी बन जाते हैं। इटली में कोरोना मरीज का पोस्टमार्टम करने के बारे में एक्सप्रेस मीडिया सर्विस ने अपनी पड़ताल में पाया है कि रोम के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर इनफेक्शियस डिजीजेस ने 22 कोरोना मरीजों का पोस्टमार्टम किया था, जिसमें शरीर के सभी प्रमुख अंगों पर कोरोना के वायरस एसएआरएस - सीओवी-2 के प्रभाव का आंकलन किया गया था। इससे यह निष्कर्ष निकला था कि श्वसन तंत्र खासकर फेफड़ों पर बुरा प्रभाव डालने के अलावा यह वायरस किडनी से लेकर हड्डी के भीतर पाई जाने वाली मज्जा को भी नुकसान पहुंचा रहा है। अलग-अलग मरीजों पर कोरोना वायरस ने अलग-अलग प्रभाव डाला। जहां तक मैसेज में दावा किया गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन कोरोनावायरस से मरने वालों के पोस्टमार्टम की इजाजत नहीं देता, तो ऐसा कुछ नहीं है, दुनिया भर में कोरोना से मृत मरीजों की ऑटोप्सी की गई है। हां उसके निष्कर्ष कुछ ऐसे हैं जिससे विश्व स्वास्थ संगठन द्वारा जारी कोरोना प्रोटोकॉल और इलाज को बदलने की बार-बार सलाह दी जा रही है। बेंगलुरु में भी भारत में पहली बार कोरोनावायरस से मृत व्यक्ति की ऑटोप्सी करने वाले विशेषज्ञ दिनेश राव का कहना है कि उन्हें चेहरे की चमड़ी, गले तथा आंतरिक अंगों जैसे रेस्पिरेटरी पैसेज और फेफड़ों में वायरस के संकेत नहीं मिले। इस क्षेत्र में बैक्टीरिया का इंफेक्शन ज्यादा रहता है। उन्हें फेफड़ों के भार में वृद्धि तथा खून के थक्के के संकेत पोस्टमार्टम में मिले। डॉक्टर राव का कहना है कि इससे पता चलता है कि कोरोना के गंभीर मरीजों को आर्टिफिशियल वेंटीलेशन अथवा ऑक्सीजन सपोर्ट से ज्यादा सहायता नहीं मिलती ।

बल्कि कोरोना के मरीजों को ऐसे इलाज की ज्यादा जरूरत है जिसमें खून के थक्के जमने से रोका जा सकें। सवाल यह है कि दुनिया के अनेक देशों में कोरोना मरीजों का पोस्टमार्टम किया है। किंतु उनके निष्कर्ष को लेकर विश्व स्वास्थ संगठन ने अभी तक कोई विस्तृत अध्ययन क्यों नहीं करवाया। सारी दुनिया में इस बीमारी से लाखों लोग मारे जा चुके हैं।

महाराष्ट्र में कोरोना मरीजों के इलाज में इस्तेमाल हो सकती है अस्थमा की दवा

मुंबई। अस्थमा के मरीजों तथा सांस लेने में तकलीफ की गंभीर समस्या का सामना कर रहे मरीजों के इलाज में इस्तेमाल एक दवा को कोरोना के मरीजों के उपचार में भी इस्तेमाल की मंजूरी दी जा सकती है. महाराष्ट्र कोविड टॉस्क पोर्स इस बारे में गंभीरता से विचार कर रहा है. महाराष्ट्र में कोरोना की महामारी से निपटने के लिए बनी कोविड टॉस्क फोर्स के सदस्य और शीर्ष चिकित्सक ने यह जानकारी दी. टॉस्कफोर्स के सदस्य डॉ. राहुल पंडित ने कहा कि इन्हालेड बुदेसोनिडे को कोरोना के मरीजों के लिए मंजूर दवाओं की सूची में शामिल किया जा सकता है. महाराष्ट्र सरकार की टॉस्कफोर्स मामूली और मध्यम लक्षण वाले कोरोना मरीजों के इलाज में इस्तेमाल के लिए इसे मंजूरी दे सकती है. दरअसल, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा मेडिकल जर्नल लैंसेट रेस्पायरेटरी मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया है कि यह दवा कोविड मरीजों को तुरंत आपात चिकित्सा सहायता की जरूरत को कम करती है.

दिल्ली, मध्यप्रदेश और आंध्रप्रदेश के लिए चलेंगी ऑक्सीजन एक्सप्रेस

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि दिल्ली, आंध्र प्रदेश और मध्यप्रदेश जैसे राज्यों ने रेल वैगन के माध्यम से चिकित्सकीय लिक्विड ऑक्सीजन का परिवहन करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने अभी हमें कुछ 'ऑक्सीजन एक्सप्रेस' ट्रेनों के लिए आग्रह भेजा है। हम दिल्ली सरकार के साथ संपर्क में हैं और हमने उनसे कहा है कि अपने टैंकर तैयार रखें।×ठ्ठद्धह्यश्च;उन्होंने कहा कि दिल्ली की ऑक्सीजन की मांग राउरकेला की ओर से पूरी किए जाने की संभावना है, जबकि आंध्र प्रदेश की मांग अंगुल, ओडिशा की ओर से पूरी किए जाने की संभावना है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए 'प्राणवायु' ले जा रही 'ऑक्सीजन एक्सप्रेस' 24 अप्रैल को लखनऊ पहुंचेगी। 'ऑक्सीजन एक्सप्रेस' के प्रत्येक टैंकर में 16 टन ऑक्सीजन होती है।

आरटी-पीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव आते ही भर्ती करना जरूरी नहीं

नई दिल्ली। खौफनाक कोरोना लहर और देश में चिकित्सा संसाधनों की पड़ रही कमी के बीच देश के ख्यात चिकित्सिक व मेदांता हॉस्पिटल के प्रमुख डॉ. नरेश त्रेहान ने लोगों को जागरूक करने के लिए कुछ अहमें बातें कही हैं। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि हर व्यक्ति जिसकी आरटी-पीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव आती है, उसे अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत नहीं है। ऐसे संक्रमितों को पहले एक डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए। अस्पतालों के कोविड एप हैं। मेदांता का भी एप है। आप अपना विववरण उस पर भरिए और डॉक्टर से कॉल पर बात करिए। इसके बाद ही भर्ती होने का निर्णय किया जाना चाहिए।

इन बातों की जानकारी डॉक्टर को दें

डॉ. त्रेहान ने बताया कि संक्रमित व्यक्ति को अपने फेफड़ों की स्थिति, ब्लड टेस्ट की रिपोर्ट, पूर्व से यदि बीमारियां हों तो उनकी जानकारी डॉक्टर को देना चाहिए। इससे उन्हें यह तय करने में आसानी होगी कि संबंधित व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती करने की कितनी जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने डॉक्टरों से भी आग्रह किया कि वे इस बात का ध्यान रखें कि किसे अस्पताल में भर्ती कराना है।

ड्रोन से होगी कोरोना वैक्सीन की डिलीवरी

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना से स्थिति भयावह होती जा रही है। अस्पतालों में गंभीर रूप से संक्रमित मरीजों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही। दैनिक मामलों के आधार पर भारत ने अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में सरकार कोविड-19 वैक्सीन लगवाने की रफ्तार बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। केंद्र सरकार ने कोरोना के टीकों की आपूर्ति ड्रोन से करने के लिए एक अध्ययन की अनुमति दे दी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को ड्रोन के जरिए वैक्सीन की आपूर्ति की संभावना तलाशने के लिए अध्ययन की इजाजत दी है। आईसीएमआर यह अध्ययन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के सहयोग से करेगा। आईसीएमआर को अध्ययन की यह छूट मानव रहित विमान प्रणाली नियम, 2021 के तहत शर्त के साथ दी गई है। ताकी वह वैक्सीन की डिलीवरी में ड्रोन के इस्तेमाल की संभावना तलाशने सके। यह छूट एक साल के लिए मान्य होगी या फिर अगले आदेश तक ही मान्य होगी।

पुणे में खाते से उड़ा लिए चार करोड़ रुपए

पुणे। पुणे से एक ठगी का मामला सामने आया है। पुणे में एक महिला को बर्थडे गिफ्ट में आईफोन देने का लालच देकर कुछ लोगों ने महिला से चार करोड़ रुपये की ठगी की है। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि महिला पुणे शहर में एक निजी कंपनी ने सीनियर एग्जीक्यूटिव के पद पर काम करती है। पुलिस ने बताया कि महिला को सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वालों ने कथित रूप से 3.98 करोड़ रुपये से ज्यादा का चूना लगाया है। पुलिस की माने तो ठगी करने के बाद इस रकम को 27 अलग-अलग खातों में भेजा गया। यहां हैरान करने वाली बात यह है कि 3.98 करोड़ रुपए की ये राशि 207 बार के ट्रांजैक्शन से उड़ाई गई है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित महिला की उम्र 60 साल है और वो एक निजी कंपनी में काम करती है। साइबर सेल के पुलिस अधिकारी अंकुश चिंतामन के मुताबिक, अप्रैल 2020 में महिला को ब्रिटेन से फेसबुक के जरिए एक फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। इस ऑनलाइन ठग से पांच महीने में ही इस महिला से अपनी दोस्ती मजबूत कर ली और महिला का विश्वास जीत लिया। इसके बाद जब महिला का बर्थडे आया तो ठग ने महिला को बताया कि उसने बर्थडे गिफ्ट के तौर पर एक आईफोन भेजा है। सितंबर में ठग ने दिल्ली हवाईअड्डे पर गिफ्ट पर लगने वाले सीमा शुल्क को क्लियर करने के बहाने उसे बड़ी रकम देने को कहा। ठगों ने उसे कोरियर एजेंसी वाला और कस्टम अधिकारी बनकर कॉल किया। कॉल के दौरान महिला को बताया गया कि ब्रिटेन से आई खेप में ज्वेलरी और विदेशी करेंसी है, जिसे लेने के लिए महिला को ज्यादा राशि का भुगतान करना होगा। सितंबर 2020 के बाद से महिला को अब तक 3.98 करोड़ रुपये से ज्यादा का चूना लग गया है। हाल ही में साइबर सेल से संपर्क करने के बाद उसे महसूस किया कि उसके साथ धोखा हुआ है।

पीएम मोदी वैक्सीन नीति को बदलें, टीकों की एक समान कीमत सुनिश्चित करें : सोनिया गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने टीकाकरण से जुड़ी नई नीति को लेकर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वह इस नीति को बदलें और पूरे देश में टीकों की एक समान कीमत सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह आरोप भी लगाया कि केंद्र सरकार ने 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोगों को मुफ्त टीका उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। सोनिया ने कहा कि यह हैरान करने वाली बात है कि पिछले साल के कड़वे अनुभवों और लोगों को हुई तकलीफ के बावजूद सरकार लगातार मनमानी और भेदभावपूर्ण नीति पर अमल कर रही है। उन्होंने दावा किया कि नई नीति के तहत सरकार 18 से 45 साल आयु वर्ग के लोगों को मुफ्त टीका उपलब्ध कराने की अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ चुकी है और यह युवाओं के प्रति उसका अपने उत्तरदायित्व से पूरी तरह पल्ला झाड़ना भी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पहले ही इसकी मांग की है कि इस नीति का पुनर्मूल्यांकन किया जाए। निश्चित तौर पर कोई भी तार्किक व्यक्ति टीकाकरण की एक समान कीमत से होने वाले लाभ से सहमत होगा। उन्होंने आग्रह किया, इस मामले में दखल दें और इस गलत निर्णय को बदलिए। देश का लक्ष्य यही होना चाहिए कि 18 साल से अधिक आयु के लोगों को टीका लगे, चाहे उनकी आर्थिक हालत कुछ भी हो।

सरकार कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में लोगों को राहत देने की दिशा में कार्य कर रही: वित्तमंत्री सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देशभर में कोविड-19 महामारी के मामलों में हाल में हुई वृद्धि के मद्देनजर कोरोनावायरस से प्रभावित लोगों को ऑक्सीजन, टीके और अन्य आवश्यक सुविधाओं के साथ इसके प्रचालन तंत्र को सुनिश्चित किया जा रहा है। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामले मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक आभासी सत्र के दौरान इस संदर्भ में जानकारी दी। सीतारमण ने उल्लेख किया कि सरकार नियमित रूप से स्थिति की समीक्षा और निगरानी कर रही है और देश में मांग और आपूर्ति को पूरा करने के लिए राज्यों, अस्पतालों और ऑक्सीजन आपूर्तिकर्ताओं के बीच एक बेहतर समन्वय बनाए रखने की दिशा में तत्परता से काम कर रही है। वित्तमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं प्रख्यात चिकित्सकों और वैक्सीन निर्माताओं के साथ स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। भारत में अंतर्राष्ट्रीय निकायों द्वारा प्रमाणित टीकों के आयात को भी अनुमति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा वैक्सीन निर्माताओं के लिए अग्रिम समर्थन को बढ़ाया जा रहा है और कोरोनोवायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान को और आगे बढ़ाते हुए 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए 1 मई 2021 से टीकाकरण की अनुमति दे दी गई है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि रेमडेसिवीर के संबंध में अनेक महत्वपूर्ण घोषणाऐं की गई है और इस पर सीमा शुल्क को माफ कर दिया गया है। देश में रेमडेसिवीर इंजेक्शन की आवश्यकता और उपयोग को देखते हुए इसके निर्यात पर रोक भी लगा दी गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि इन घोषणाओं से इंजेक्शन की उपलब्धता बढ़ने की आशा है।

सीतारमण ने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए, देश में मांग और आपूर्ति को पूरा करने के लिए सरकार कम सक्रिय विनिर्माण क्षमताओं की पहचान कर रही है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि मौजूदा स्थिति से निपटने का मार्ग माइक्रो कंटेनमैंट जोन से होकर जाता है, ताकि जीवन और आजीविका की रक्षा की जा सके।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष तेजी से काम किया और विभिन्न कॉरपोरेट कानूनों के तहत अनुपालन की समय-सीमा बढ़ाई और इस वर्ष भी इसी प्रकार के कदमों और समर्थन उपायों की आवश्यकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने आश्वासन दिया कि देश के औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से प्राप्त मूल्यवान सुझावों पर विचार किया जाएगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री के साथ हुए इस वर्चुअल वार्तालाप सत्र में उद्योग के पूर्व अध्यक्षों, प्रबंधन समिति के वरिष्ठ सदस्यों और अन्य सदस्यों ने भी भाग लिया है।

यूपी में 24 घंटे में कोरोना के रिकॉर्ड 37238 नए मामले, 199 की मौत

लखनऊ (एजेंसी)।

यूपी में कोरोना का कोहराम थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य में शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण से एक दिन में सर्वाधिक 196 और मरीजों की मौत हो गई। कोविड-19 के रिकार्ड 37,238 नये मामले भी सामने आये। राज्य में अब तक कुल संक्रमितों का आंकड़ा दस लाख पार कर गया है। अपर मुख्य सचिव (सूचना) नवनीत सहगल ने शुक्रवार को यहां बताया कि राज्य में इस समय कुल 2,73,653 मरीज इलाज करा रहे हैं। इनमें से दो लाख 18 हजार मरीज घर पर आइसोलेट हैं। बाकी निजी तथा सरकारी अस्पतालों में अपना इलाज करा रहे हैं। राज्य में पिछले 24 घंटे में 196 और संक्रमितों की मौत होने से राज्य में मृतक संख्या बढ़कर 10,737 हो गई है। वहीं कोविड-19 के 37,238 नये मामले सामने आने से अब तक कुल संक्रमितों की संख्या 10,13,370 हो गई है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे में इलाज के बाद 22,566 मरीज घर भेजे गये और अब तक कुल 7,28,980 मरीज स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं।सहगल के मुताबिक बृहस्पतिवार को राज्य में 2.25 लाख से ज्यादा नमूनों की जांच की गई और अब 3.93 करोड़ से ज्यादा नमूनों की जांच की जा चुकी है। सहगल ने अफवाहों से बचने का अनुरोध करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने ऑक्सीजन, आवश्यक दवाई और बिस्तर का निरंतर प्रबंधन का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि हर अस्पताल में वातावरण से ऑक्सीजन बनाने की योजना पर कार्य चल रहा है और 31 ऐसे अस्पतालों के लिए शासन से आदेश जारी किये जा चुके हैं जहां अगले 15 से 20 दिनों में वातावरण की हवा से ऑक्सीजन बनाने के प्लांट लग जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा मरीजों के लिए 1500 ऑक्सीजन संयंत्र का भी आदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में शुक्रवार रात 8 बजे से सोमवार सुबह 7 बजे तक वीकेंड लॉकडाउन रहेगा। इस दौरान शनिवार और

रविवार को साफ-सफाई, सैनिटाइजेशन और सर्विलांस का अभियान चलाया जाएगा। शनिवार को टीकाकरण का कार्य भी किया जाएगा।

दिल्ली पुलिस ने हाथ पकड़ने के बजाय हथकड़ी लगाने के लिए खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का द्वार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा कर यह अनुरोध किया है कि पुलिस कर्मियों को हाथ पकड़ने के कारण कोविड-19 के संपर्क में आने से रोकने के लिए गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों और अंडरट्रायल कैदियों को हथकड़ी लगाने की इजाजत दी जाए। यह आवेदन सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी किए गए पिछले निर्देशों का हवाला देता है। 1980 की शुरुआत से पुलिस द्वारा कार्रवाई के खिलाफ नागरिकों के मानवाधिकारों के संरक्षण के मामले के रूप में आरोपी व्यक्तियों को हथकड़ी लगाने पर रोक है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पुलिस या जेल अधिकारी उसी के लिए अनुमति मांग सकते हैं यदि कुछ असाधारण कारण थे, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि अभियुक्त या अंडरट्रायल बंदी उच्च जोखिम वाले कैदी थे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी किए गए निर्देशों में ढील की मांग करते हुए दिल्ली पुलिस द्वारा याचिका को लंबित सू मोटो में बदल दिया गया है, जो कोविड-19 प्रबंधन पर पिछले साल सुप्रीम कोर्ट द्वारा दर्ज किया गया था। पुलिस ने इस दौरान दूसरी कोविड-19 लहर का हवाला दिया। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली पुलिस द्वारा एक अर्जेंट लिस्टिंग आवेदन दायर किया गया है, जिसमें कोर्ट द्वारा जारी किए गए उन निर्देशों में ढील देने के लिए अनुरोध किया गया है कि जिसमें गिरफ्तार व्यक्तियों और अन्य अंडरट्रायल कैदियों को हथकड़ी लगाने पर रोक लगाई जाए, जब तक कि वे सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित न हो जाएं। इस सप्ताह की शुरुआत में दायर किए गए आवेदन में कहा गया है कि जेल और अदालतों के बीच आरोपी व्यक्तियों के अंडरट्रायल कैदियों के आवागमन के दौरान पुलिस कर्मियों में कोरोना वायरस के मामले बढ़ेंगे। पुलिस ने कहा कि इससे सोशल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित करना भी मुश्किल होगा, इससे संक्रमण की संभावना भी बढ़ जाएगी।

केंद्र ने कहा- मानव जीवन की रक्षा पर्यावरण से ज्यादा अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा है कि मानव जीवन की रक्षा और पर्यावरण की रक्षा में से किसी एक को चुनना हो तो फिलहाल हमें मानव जीवन की रक्षा पर गौर करना चाहिए। शीर्ष अदालत वेदांता की उस याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है, जिसमें उसने तमिलनाडु के तूतीकोरिन स्थित स्टरलाइट कॉपर संयंत्र को फिर से शुरू करने की इजाजत मांगी है। वेदांता ने कहा कि इस संयंत्र को स्वास्थ्य के मकसद से खोलने की इजाजत देने से हजारों टन ऑक्सीजन का उत्पादन हो सकेगा। यही नहीं हम यह ऑक्सीजन कोविड-19 मरीजों को मुफ्त में देंगे। मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष वेदांता और केंद्र ने संयुक्त रूप से संयंत्र को खोलने का अनुरोध किया। वेदांता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने कहा, वेदांता तांबे को गलाने काम शुरू करने की बात नहीं कर रहा है, बल्कि अपने ऑक्सीजन संयंत्र को क्रियाशील बनाने के लिए अनुरोध कर रहा है, ताकि उसे चिकित्सा उद्देश्यों के लिए हजारों टन ऑक्सीजन उपलब्ध कर सके। साल्वे ने कहा, लोग रोज मर रहे हैं। हम केवल ऑक्सीजन संयंत्र शुरू करने की अनुमति चाहते हैं। इतना ही नहीं हम इसे मुफ्त में आपूर्ति करेंगे। अगर आज हमें अनुमति मिल जाए तो हम पांच-छह दिनों में इसका उत्पादन शुरू कर सकते हैं।

- सरकार हरसंभव स्त्रोतों से बढ़ा रही ऑक्सीजन की आपूर्ति

तुषार मेहता ने कहा कि देश को ऑक्सीजन की सख्त जरूरत है और केंद्र सरकार सभी संभावित स्त्रोतों से अपनी आपूर्ति बढ़ाने का प्रयास कर रही है। मेहता ने कहा, वेदांता अपने संयंत्र को केवल ऑक्सीजन के उत्पादन के लिए संचालित करना चाहती है और इसे केवल चिकित्सा उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। जितना जल्द यह संयंत्र शुरू होगा उतना ही यह देश के लिए बेहतर होगा।

- आपके रवैये से हम खुश नहीं

तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वकील सीएस वैद्यनाथन ने वेदांता की इस अर्जी का विरोध किया। तमिलनाडु के इस रवैये पर पीठ ने आपत्ति जताई। चीफ जस्टिस ने कहा यह कैसा रवैया है? आप इसका निर्माण नहीं कर रहे हैं और आप इसे अपनी चिकित्सा आपात स्थितियों के लिए मुफ्त में प्राप्त कर रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी पर्यावरण मानदंडों का पालन हो। लेकिन हम आपके रवैये की कतई खुश नहीं हैं। यह एक राष्ट्रीय आपातकाल है।

इलाज न मिलने से दिल्ली में 5 और ग्रेनो में 1 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना की ये लहर दिल्ली-एनसीआर में भी आफत बनकर टूट रही है। ऑक्सीजन की कमी ने हाहाकार की स्थिति पैदा कर दी है। ऑक्सीजन की कमी के चलते दिल्ली-एनसीआर में कई लोगों की जान भी जा रही है। जीटीबी अस्पताल में देर रात ऑक्सीजन की कमी से दो मरीजों की मौत हो गई और गंगाराम अस्पताल में तीन मरीजों को जान गंवानी पड़ी। वहीं ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल में दिल्ली ×ठ्ठद्धह्यश्च;महिला आयोग की अध्यत्र स्वाति मालीवाल अपने नाना को ही भर्ती नहीं करा पाईं और उन्होंने दम तोड़ दिया। दिल्ली-एनसीआर के कई अस्पतालों में ऑक्सीजन का संकट है।×ठ्ठद्धह्यश्च;जीटीबी अस्पताल में बृहस्पतिवार देर रात बेड न मिलने की वजह से दो मरीजों की मौत हो गई। अस्पताल में सभी बिस्तर भर जाने के बाद आपातकालीन विभाग के सामने ही स्ट्रेचर पर मरीजों को रखा गया, लेकिन यहां ऑक्सीजन की उपलब्धता न होने की वजह से स्ट्रेचर पर लेटे दो मरीजों ने दम तोड़ दिया। इनमें से एक महिला और दूसरा बुजुर्ग मरीज था। रात 12 बजकर 25 मिनट पर अस्पताल के आपातकालीन विभाग के बाहर स्ट्रेचर पर लेटी एक महिला की सांस उखड़ने लगी। इस बीच तीमारदार ने जब चिल्लाना शुरू किया तो आनन-फानन में पीपीई किट पहने डॉक्टर वहां पहुंचे और महिला को सीपीआर देने लगे, लेकिन करीब पांच मिनट की काफी कोशिशों के बाद भी मरीज की जान नहीं बचाई जा सकी। इससे पहले चार अस्पतालों के चक्कर लगाने के बाद जीटीबी पहुंचे एक बुजुर्ग मरीज ने स्ट्रेचर पर ही दम तोड़ दिया। मरीज को सांस लेने में तकलीफ थी। समय पर अस्पताल में बेड और ऑक्सीजन न मिलने की वजह से उनकी मौत हो गई। पूछताछ में पता चला कि महिला शाहदरा के ज्योति नगर निवासी थी और बुजुर्ग मरीज दिलशाद गार्डन के निवासी थे।

खूबसूरत और महकती त्वचा

खुशबू का इतिहास कितना पुराना है ये तो नहीं कहा जा सकता लेकिन फूलों का वर्णन तो धार्मिक ग्रंथों में भी है। माँ लक्ष्मी कमल पर विराजती है तो भगवान ब्रम्हा का प्रिय पुष्प ब्रम्ह कमल को माना जाता है। ये अनुमान लगाया जा सकता है कि जितना पुराना इतिहास फूलों का है उतना ही पुराना इतिहास सुगंध का भी है। राजा-महाराजाओं के काल से विभिन्न प्रकार के इत्र-सुगंधादि के उपयोग किए जाने के प्रमाण हैं। मुगल शासन में तो रानियां अपने स्नान के पानी में भी इतर या इसी तरह के सुगंधित चीजों का उपयोग करती थी। केसर, गुलाब, केवड़ा, मोगरा, चमेली, चंदन तथा लोभान आदि सुगंध न सिर्फ तरोताजगी से भर देते हैं बल्कि इनके द्वारा रोगों का उपचार भी किया जाता था । इन्हीं प्राचीन उपचार पद्धितयों को आजकल फिर से अपनाया जा रहा है।

सूखी त्वचा- बेंजोनिन, पामारोज, पेचौली, गाजर, जिरेनियम, पेट्टी ग्रैन, लेवेण्डर, कुसुम, गुलाब, चंदन।

ऑइली स्कीन - लेवेण्डर, ऑरेंज, लेमन, कपूर, नेरोली, यांग-यांग, बर्गामोट।

सामान्य त्वचा- पामारोज, गाजर, जिरेनियम, लेवेण्डर, कुसुम, चमेली, नेरोली, यांग-यांग, लोबान, चंदन, पेचौली।

असामान्य त्वचा- जिरेनियम, लेवेण्डर, कुसुम, कपूर, यूकेलिप्टस थाइम गंधरस।

संवेदी त्वचा- जिरेनियम, लेवेण्डर, कुसुम।

स्कीन के लिए खूशबू फेशियल आइल्स

सामान्य त्वचा- बेंजोनिन, गाजर, कुसुम, लोबान, सीप्रेस, जिरेनियम, चमेली, जूनिपर, लेवेण्डर, लेमन, मार्जोटम, ऑरेंज, पामारोज, पेचौली, पिपरमिंट, पेट्टी ग्रैन, रोजमैरी, यांग-यांग।

सूखी त्वचा- बेंजोनिन, गाजर, कुसुम, जिरेनियम, हीसोप, लेमन, नेरोली, पामारोज, पेचौली, गुलाब, रोजमेरी, चंदन।

शुष्क त्वचा- गाजर, जिरेनियम, लेवेण्डर।

नम त्वचा- गाजर, सीप्रैस, जिरेनियम, हीसोप, लेवेण्डर, लेमन, पामारोज, पेचौली, गुलाब, चंदन।

संवेदी त्वचा- गाजर, कुसुम, जिरेनियम, लेवेण्डर।

असामान्य त्वचा- गाजर, कुसुम, लोबान, जिरेनियम, हीसोप, जूनिपर, लेवेण्डर, लेमन, पेचौली, पामारोज, चंदन।

गर्मियों में त्वचा को दें राहत

गर्मियों के दौरान सफेद चंदन या चंदन चूर्ण को पानी में मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है। यह एंटी बैक्टीरियल होता है जिससे त्वचा साफ-स्वच्छ और शीतल बनती है।इसी तरह नीम, तुलसी, गुलाब की पंखुड़ियों और चंदन (बराबर मात्रा में) में कच्चा दूध मिलाकर तैयार लेप का प्रयोग करने से त्वचा में उजलापन आता है और मुँहासों से भी राहत मिलती है। इस लेप को कम से कम एक घंटे तक लगाए रखें और फिर पानी से धो दें। इस उपचार से आपकी त्वचा मुलायम और नरम बनेगी। 10 ग्राम सूखे नीम के पत्तों और सात काली मिर्च का चूर्ण बनाकर मिलाएँ और इसमें पानी मिलाकर इसे छान लें। घर में तैयार इस टॉनिक के सेवन से त्वचा संबंधी कई विकारों से राहत मिलती है। एक सप्ताह तक इस नुस्खे को आजमाएँ और खुद ही फर्क देख लें।

प्रेग्नेंसी में रखें खान पान का ध्यान

प्रेग्नेंसी में क्या खाएं, क्या ना खाएंखान-पान पर दें विशेष ध्यान प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को विटामिन, प्रोटीन, आयरन रिच भोजन लेना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध, फल, जूस का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए। ऐसे समय में फास्ट फूड, आइली, स्पाइसी फूड अवाइड करना चाहिए। इस दौरान फोलिक एसिड, डीएचए टेबलेट भी अनिवार्य रूप से लेना चाहिए।

सावधानी जरूरी : अधिक उम्र में प्रेग्नेंसी में महिलाओं को विशेष सावधानी रखनी चाहिए। ऐसे समय में थाइराइड, ब्लडप्रेशर, शुगर का रेग्युलर चेकअप कराते रहें। बच्चे के डेवलपमेंट की जानकारी के लिए समय-समय पर सोनोग्राफी अवश्य कराएं। कोई भी समस्या आने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इस दौरान जितना हो सके ज्यादा दूरी के सफर से बचना चाहिए।

बेजीटेबल : आठ से नौ सप्ताह में शिशु की आंख का विकास होता है, इसलिए इन्हें भोजन में प्राथमिकता दें। इसमें पाए जाने वाले विटामिन ए और सी के साथ अन्य विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर कांस्टिपेशन को दूर करने में मददगार होते हैं। विटामिन सी युक्त जैसे गोभी, ग्रीन बीन्स और टमाटर बॉडी को कैल्शियम एब्जॉर्ब करने में हेल्प करते हैं।

पीरियड्स के दौरान कौन सी एक्सरसाइज करें

अक्सर स्त्रियों को इस बात का भ्रम होता है कि पीरियड्स के दौरान होने वाली समस्याओं से बचने के लिए ज्यादा काम या एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। सिर्फ बेड रेस्ट करना चाहिए। ऐसा आपने अकसर बड़ी उम्र की स्त्रियों से सुना होगा कि उन दिनों में एक्सरसाइजज करना नुकसानदेह होता है। जबकि ऐसा सोचना गलत है, पीरियड्स के दौरान एक्सरसाइज करने से न सिर्फ आपकी बॉडी शेप में रहती है बल्कि उस दौरान होने वाले दर्द (बैक पेन और एब्डॉमिनल क्रैम्प्स) से भी छुटकारा मिलता है।

एक्सरसाइज मेटाबॉलिज्म को मजबूत करती है और आपको एनर्जी प्रदान करती है। यह आपके उन दिनों के लिए बहुत ही जरूरी है, क्योंकि तब आपको अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा की जरूरत होती है। एक्सरसाइजज करने से एंड्रोटॉक्सिंग बाहर निकालती है।

एक्सरसाइजज से हमारे शरीर में एक प्रकार का नैचुरल पेनकिलर विकसित होता है जो पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द और मूड के बदलाव को ठीक करने में मदद करता है। यहां तक कि वर्कआउट से पेट की सूजन भी कम होती है। यहां हम आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बता रहे हैं जिन्हें आप पीरियड्स के दिनों में आसानी से कर सकती हैं। हालांकि जो युवतियां शुरूसे लगातार एरोबिक्स करती रही हैं उन्हें उन दिनों में किसी प्रकार की मनाही नहीं होती। बस एक बात का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि लोवर बॉडी पार्ट की एक्सरसाइज न की जाए।

1.अगर आप कार्डियोवैसकुलर एक्टीविटी करना चाहती हैं तो बेहतर होगा कि आप जरूरत से ज्यादा मूवमेंट जैसे जम्पिंग, रनिंग या किकिंग हाई न करें। दरअसल, उन दिनों सहनशक्ति का स्तर कम हो जाता है, ऐसे में हलकी-फुलकी एरोबिक्स करने से मूड भी अच्छा होगा और आपको एनर्जी भी मिलेगी। लेकिन बहुत ही नियंत्रित और संतुलित मूवमेंट अपनाएं जिसमें आपके आर्म्स और अपर बॉडी की एक्सरसाइज हो।

2. कार्डियोवैस्कुलर की सबसे अच्छी एक्सरसाइज है 30-40 मिनट टहलना। ब्रिस्क तथा वॉक ज्यादा तेज़ करते हैं तो यूट्रस की बाहर की लाइनिंग जो पीरियड्स के दौरान बहुत संवेदनशील हो जाती है, उस पर बहुत दबाव पड़ सकता है। इस कारण पीरियड्स का फ्लो ज्यादा हो सकता है या फिर बिलकुल ही बंद हो सकता है इसलिए ब्रिस्क वॉक की जगह हमें नॉर्मल वॉक करना चाहिए।

3. कोशिश करें कि सीधे जमीन पर न बैठकर वज्रासन लगाकर बैठें ताकि आपके यूट्रस और ओवरी को कोई हानि न पहुंचे और साथ-साथ उनकी टोनिंग भी हो पाए।

4. इस दौरान ठंडी चीजें जैसे कोल्ड ड्रिंक्स वगैरह कम से कम लें। ठंडी चीजें खाने से ओवरी पर सूजन आने की संभावना रहती है।

5. योग में नौकासन, हलासन बिलकुल न करें। गोमुख आसन या फिर धनुरासन कर सकती हैं। इस दौरान प्राणायाम बहुत उपयोगी रहेंगे। प्राणायाम में अनुलोम-विलोम, शीताली, शितकारी, भ्रामरी करने से उस दौरान चिड़चिड़ापन और मूड खराब होने जैसी समस्याओं से निजात मिलेगा।

6. इस बात का ध्यान रखें कि वर्कआउट्स करने के बाद अच्छी तरह स्ट्रेच करें।

7. पीरियड्स के दौरान जिम में लोवर एब्डॉमन की एक्सरसाइज बिलकुल न करें। अपर बॉडी एक्सरसाइज कर सकती हैं।

8. जो भी एक्सरसाइज करें उसमें कंधों का प्रयोग हो। लाइट वेट्स का इस्तेमाल करें। वह भी सिर्फ अपर बॉडी के लिए।

9. जिम जाकर मशीन का प्रयोग बिल्कुल न करें।

अपने शरीर की सुनें

अगर आपको पीरियड्स के दौरान बहुत ज्यादा पीठ का दर्द या क्रैम्प्स नहीं पड़ते तो एक्सरसाइज करने से हिचकिचाएं नहीं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि आप अगर उन दिनों काम करना चाहती हैं, तो आराम से कर सकती हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा दबाव आपके शरीर के निचले हिस्से या पेल्विक पर न पड़े। अपने शरीर की सुनें जितना काम हो सकता है करें, जब तक कि आपको किसी प्रकार की दिक्कत न हो। यह बात अपने जेहन में डाल लें कि पीरियड्स के दौरान अस्सी प्रतिशत स्त्रियों को हलका-फुलका पेट दर्द और कमर दर्द होना एक आम समस्या है। इसका यह मतलब कतई नहीं है कि आप घर पर बैठकर आराम करें। खुद तय करें कि आप कुछ कर सकती हैं।

संपादकीय

सख्ती का समय

यह समय सख्ती का है और अगर सरकार के प्रति देश की सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त रुख का इजहार किया है, तो कोई अचरज नहीं। कोरोना के बढ़ते मामले और उसके साथ ही, इलाज, दवाओं और ऑक्सीजन के बढ़ते अभाव से निपटने के लिए सिवाय सख्त रुख अपनाने के कोई उपाय नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने स्वत-संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके पूछा है कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए सरकार के पास क्या योजना है? इस सख्ती के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में ऑक्सीजन की उपलब्धता और इसकी आपूर्ति को लेकर गुरुवार को उचित ही एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की है। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने ऑक्सीजन का उत्पादन बढ़ाने, उसके वितरण की गति तेज करने और स्वास्थ्य सुविधाओं तक उसकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए तेज गति से काम करने की जरूरत पर बल दिया है। ऑक्सीजन की आपूर्ति को अबाध बनाना सबसे जरूरी है। उच्च अधिकारियों को जमीनी हकीकत नजर आनी चाहिए। अब बंद कमरों में बैठकर संवाद करने या भाषण देने का कोई विशेष अर्थ नहीं है। किन्हीं दो-तीन अस्पतालों का भी मुआयना अगर ढंग से कर लिया जाए, तो वस्तुस्थिति सामने आ जाएगी। बड़े नेताओं को सीधे जुड़कर काम करना होगा। केवल कागजों पर इंतजाम कर देना किसी अपराध से कम नहीं है। आदेशों-निर्देशों को जमीन पर उतारना होगा। अधिकारियों ने शायद प्रधानमंत्री को यह बताने की कोशिश की है कि ऑक्सीजन की आपूर्ति पूरी तरह से की जा रही है। बताया गया है कि पिछले कुछ दिनों में ऑक्सीजन की उपलब्धता 3,300 मीट्रिक टन प्रतिदिन बढ़ी है। इसमें निजी और सरकारी इस्पात संयंत्रों, उद्योगों, ऑक्सीजन उत्पादकों का योगदान शामिल है। गैर-जरूरी उद्योगों की ऑक्सीजन आपूर्ति रोककर भी ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ाई गई है। यह अच्छी बात है कि सरकार को जमाखोरी जैसी समस्या का अंदाजा है, इसलिए ऑक्सीजन की जमाखोरी करने वालों के खिलाफ राज्यों को कठोर कार्रवाई के लिए कहा गया है। ज्यादातर ऑक्सीजन बेचने वालों ने मरीजों के परिजन को जिस तरह लूटा है, उसे न भुलाया जा सकता है और न माफ किया जाना चाहिए। अनुभव गवाह है, यदि बड़े अधिकारी क्षेत्र में उतरकर समस्याओं को नहीं देखेंगे, तो समाधान नहीं निकलेगा और न केंद्र सरकार सर्वोच्च न्यायालय को अपनी योजना बता पाएगी। कोरोना ने बढ़कर यह तो साबित कर ही दिया है कि हमारी अच्छी-अच्छी सरकारें भी मुकम्मल युद्ध के लिए तैयार नहीं थीं। देश में छह से ज्यादा उच्च न्यायालयों में कोरोना से जुड़े मामलों पर सुनवाई चल रही है। मौजूदा सूरतेहाल को राष्ट्रीय आपातकाल के समान बताते हुए ही चीफ जस्टिस एसए बोबडे की खंडपीठ ने जवाब मांगा है। वाकई, यह समय फौरी कोशिशों का नहीं है, समग्र योजना का है। जांच, दवा, इलाज, निगरानी, टीका, लॉकडाउन, लगभग हरेक मोर्चे पर पोल खुल रही है। केंद्र सरकार को माकूल जवाब के साथ सामने आना चाहिए और आम लोगों को यह एहसास कराना चाहिए कि देश में अदालतें और सरकारें वाकई कंधे से कंधा मिलाकर कोरोना के खिलाफ युद्ध लड़ रही हैं। शासन-प्रशासन की सार्थकता इसी में है कि कोई इलाज से वंचित न रहे।

आज के ट्वीट

कोविड महामारी

कोविड महामारी से लड़ने के दौरान कोई व्यक्ति भूखा न सोए, इसके लिए पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत अगले दो महीने के लिए 5 किलो मुफ़्त अनाज की व्यवस्था की गई है। इससे 80 करोड़ गरीबों को लाभ मिलेगा। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदीजी को बहुत धन्यवाद।

-- राजनाथ सिंह

भिक्षावृत्ति और अपराध

डॉ. रमेश ठाकुर

भीख मांगना एक सामाजिक बुराई है, जिसे जड़ से मिटाने के लिए पूर्व में कई तरह के असफल प्रयास हुए। भिक्षावृति में लिप्त इंसान की सामाजिक पहचान खत्म हो जाती है। लोग उसे हिकारत भरी नजरों से देखते है, उसका सामाजिक बहिष्कार होने लगता है। भीख मांगना जारी रहे और उसे अपराध की श्रेणी से अलग रखा जाए, इसको लेकर मुहिम एकबार फिर जोर पकड़ी है, लेकिन भीख और अपराध को नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है। भीख मांगने को अपराध की श्रेणी से हटाए जाने को लेकर मामला कोर्ट पहुंचा है। बड़ी बात ये है सरकारी पक्ष भी कानून में बदलाव चाहता है। भीख मांगना शुरू से सामाजिक बुराई में गिना गया है और कानून की नजरों में तो अपराध रहा ही है। पर, कानून इस कृत्य को रोकने में कितना सक्रिय रहा है शायद बताने की जरूरत नहीं? देखा जाए कानून तो पहले से निष्क्रिय था। जबरन भिक्षावृत्ति की प्रवृत्ति और मजबूरी के अंतर को न कानून कभी समझ पाया और न ही हुकूमतें।

बहरहाल, भीग मांगने को अपराध की श्रेणी से अलग करने की मुहिम जो शुरू हुई है उसके मौलिक रूप से दो पहलू हैं। अव्वल, भीख मांगना, दूसरा भीख मंगवाना। अपने से शायद कोई भीख मांगना पसंद करता हो? कुछ आर्थिक और पारिवारिक स्थितियां ऐसा करने पर मजबूर करती हैं। दूसरा पहलू भीख मंगवाना होता है जिसमें एक संगठित गिरोह दशकों से सक्रिय गिरोह है। जिनमें ज्यादातर नौनिहाल और मासूम बच्चों की फौज शामिल है। अपराधिक आंकड़ों की मानें तो ये वह बच्चे होते हैं जिन्हें जबरन अगवा किया जाता है और बाद में उनकी याद्दाश्त खत्म करके भीख मांगने में लगा दिया जाता है। भिक्षावृति को अपराध से मुक्त करना अच्छी बात है, लेकिन जो इस अपराध को खुलेआम जन्म देते हैं उनका क्या? वह तो साफ बच जाएंगे और उन्हें ताकत मिलेगी। भिक्षावृत्ति को अपराध से अलग करने को लेकर जो मूवमेंट चला है उसके तहत सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित याचिका पर केंद्र और राज्यों की सरकार से जवाब मांगकर विस्तार पूछा है कि भीख मांगने को अपराध की श्रेणी से कैसे अलग किया जाए। तीन हफ्तों में जवाब आएगा। जिन राज्यों से जवाब मांगा गया है उनमें बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और हरियाणा शामिल हैं। याचिका में बताया गया है इन राज्यों में सबसे ज्यादा भिखारी भीख मांगते हैं। जबकि, साउथ के राज्यों में भिखारियों की संख्या कम है। वहां सरकार की सख्तियां ज्यादा हैं। याचिका की दलील है, भीख मांगने को अपराध बनाने संबंधी धाराएं संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करती है और उन प्रावधानों के चलते लोगों के पास भीख मांगने के काम को अपराधी मानना भी सरासर अन्याय है। हालांकि इस दलील पर जवाब देने का मतलब बहस लंबी हो जाएगी। लेकिन दलील भविष्य में कितनी व्यवहारिक होगी उसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। बहरहाल, भिक्षावृति इतना जल्द सुलझने वाला मसला नहीं है। वैसे, सुलझाने के लिए अनेक ऐसे सरल और सहज प्रयास हैं जिन पर विचार किया जा सकता है। निरक्षरता उन्मूलन के लिए एक सशक्त, सुदृढ़ एवं सतत अवलोकनीय तंत्र का विकास किया जाए जिसके माध्यम से रात्रि पाठशाला जैसे प्रभावी कार्यक्रम पुनः आरम्भ कर लोगों को साक्षर किया जाए। निश्चित रूप से ये कार्यक्रम इतने प्रभावी हो सकते है कि बिना किसी अतिरिक्त व्यय-व्यवस्था के सफलतापूर्वक संचालित हो सकते हैं। इसके अलावा वृद्ध व शारीरिक रूप से अक्षम भिखारियों की पहचान करके पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की जा सकती है। इसके लिए कला-कौशल कार्यों से युक्त आश्रमों की स्थापना की जाए जहां भिखारी अपनी स्वेच्छा से श्रमदान एवं जीविकोपार्जन का कार्य कर सकें। वैसे, भिक्षावृत्ति रोकथाम अधिनियम-1959 में बदलाव से पहले कुछ व्यवहारिक बातों पर गौर जरूर फरमाना होगा। कहीं, ऐसा न हो, भिक्षा को अपराध से मुक्त करने के बाद भीख मांगने वालों की फौज ही खड़ी हो जाए। बदलाव के बाद कानून के दुरूपयोग होने की आशंका इसलिए ज्यादा दिखती हैं, बच्चों की किडनैपिंग में तेजी आ सकती है। क्योंकि भीख मांगने का काम अस्सी फीसदी बच्चे ही करते हैं। सड़कों पर, होटलों के आसपास, गली-मोहल्लों व रेडलाइटस आदि पर ज्यादातर बच्चे ही देखे जाते हैं। पुलिस समय-समय पर ऐसे गिरोह का पर्दाफाश करती है जो बच्चों के अपहरण में संलिप्त होते हैं। पश्चिम बंगाल, झारखंड़, बिहार, यूपी जैसे राज्यों से बच्चों के अपहरण होने के मामले निश्चित से चिंतित करते हैं। एनसीआरबी के मौजूदा आंकड़े भयभीत करते हैं जिनमें बच्चों के अपहरण के मामलों दूसरों अपराधों से कहीं ज्यादा रजिटर्ड हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक हिंदुस्तान में भीख मांगने वालों की संख्या 4,13,670 थी, लेकिन सरकारी आंकड़े खुद बताते हैं अब संख्या इससे कहीं ज्यादा हो चुकी है। इस मुद्दे पर एक सुझाव ये भी है कि भीख मांगने वालों की समुचित गणना की जाए और उनके पुनर्वास को लेकर जनकल्याणकारी कार्ययोजना संचालित हों। इसके लिए सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास रणनीति बनाने और समाज में व्यापक जन जागरण तथा नागरिकों को शिक्षित करने को लेकर सरकारी स्तर पर जागरूकता फैलाई जाए। गौर करने वाली बात है, अगर भीख को अपराध से अलग कर दिया जाएगा, तो भिक्षावृत्ति तो फिर भी बरकरार रहेगी।

क्यों न ऐसा किया जाए, दोनों को एकसाथ खत्म करने की योजना बनाई जाए। इसके लिए देशभर के भीख मांगने वालों को चिह्नित करना होगा और उनको शिक्षा का अधिकार देना होगा। साथ ही उन्हें सामाजिक और विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए, उनके मुकम्मल तरीके से पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की जाए। ऐसी कारगर योजना पर सामूहिक रूप से सरकार और समाज दोनों को आगे आना होगा और ईमानदारी से मूवमेंट में भागीदारी निभानी होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

आवेश व अधीरता

श्रीराम शर्मा आचार्य

जरा सी प्रतिकूलता को सहन न कर सकने वाले आवेशग्रस्त, उत्तेजित, अधीर और उतावले मनुष्य सदा गलत सोचते और गलत काम करते हैं। उत्तेजना एक प्रकार का दिमागी बुखार है। जिस प्रकार बुखार आने पर देह का सारा कार्यक्रम लड़खड़ा जाता है उसी प्रकार आवेश आने पर मस्तिष्क की विचारणा एवं निर्णय में कोई व्यक्ति सही निर्णय नहीं कर सकता। आवेशग्रस्त मनुष्य प्रायः न करने योग्य ऐसे काम कर डालते हैं, जिनके लिए पीछे सदा पश्चाताप ही करते रहना पड़ता है। आत्महत्याएं प्रायः इन्हीं परिस्थितियों में होती हैं। कहनी अनकहनी कह बैठते हैं। मारपीट, गाली-गलौज, लड़ाई-झगड़े, कत्ल आदि के दुखद कार्य भी उत्तेजना के वातावरण में ही बन पड़ते हैं। अधीरता भी एक प्रकार का आवेश ही है। बहुत जल्दी मनमानी सफलता अत्यन्त सरलतापूर्वक मिल जाने के सपने बाल बुद्धि के लोग देखा करते हैं वे यह नहीं सोचते कि महत्वपूर्ण सफलताएं तब मिला करती हैं, जबकि व्यक्ति श्रमशीलता, पुरुषार्थ, साहस, धैर्य एवं सद्गुणों की अग्नि परीक्षा में गुजर कर अपने आपको उसके उपयुक्त सिद्ध कर देता है। जल्दीबाजी में बनता कुछ नहीं, बिगड़ता बहुत कुछ है। इसलिए धैर्य को सन्तुलन और शान्ति को एक श्रेष्ठ मानवीय गुण माना गया है। तुर्त-फुर्त सफलता किसे मिली है, किसके सब साथी सज्जन और सुणी होते हैं? हर समझदार आदमी को सहनशीलता, धैर्य और समझौते का मार्ग अपनाना पड़ता है। जो प्राप्त है उसमें प्रसन्नता अनुभव करते हुए अधिक के लिए प्रयत्नशील रहना बुद्धिमानी की बात है पर यह परले सिरे की मूर्खता है कि अपनी कल्पना के अनुरूप सब कुछ न मिल जाने पर मनुष्य खिन्न, दुखी और असंतुष्ट ही बना रहे। सबकी सब इच्छाएं कभी पूरी नहीं हो सकती। अधूरे में भी जो सन्तोष कर सकता है उसी को इस संसार में थोड़ी सी प्रसन्नता उपलब्ध हो सकती है। अन्यथा असंतोष और तृष्णा की आग में जल मरने के अतिरिक्त और कोई चारा नहीं हैं। अधीर, असंतोष और महत्वाकांक्षी मनुष्य जितने दुखी देखे जाते हैं; उतनी जलन, दर्द और पीड़ा से पीड़ित घायल और बीमारों को भी नहीं होती। सन्तोष का मरहम लगाकर कोई भी व्यक्ति इस जलन से छुटकारा प्राप्त कर सकता है।

अच्छे मानसून की हर बूंद को सहेजना जरूरी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

कोरोना की दूसरी भयावह लहर के बीच अच्छे मानसून की भविष्यवाणी किसी राहत से कम नहीं है। कोरोना के कहर से समूची दुनिया कांप उठी है। कोरोना के कारण जो लॉकडाउन का दौर शुरू हुआ, उससे अभीतक उद्योग-धंधे संभल नहीं पाए हैं। यह तो खेती-किसानी है जिससे लगातार अच्छी उत्पादन की खबरें आ रही है। हालांकि पिछले तीन-चार साल से देश में मानसून की स्थिति अच्छी ही रही है। फिर भी वर्षा जल के संग्रहण में खास सुधार नहीं आया है। अच्छे मानसून के कारण कृषि उत्पादन के क्षेत्र में हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इन्द्र देव की कृपा और अन्नदाता की मेहनत का ही फल है कि देश में अन्न-धन का भण्डार भरा हुआ है। कोरोना की भयावहता के बावजूद देश के किसी कोने में किसी भी व्यक्ति के लिए पेट भरने के लिए अनाज की कमी नहीं रही। केन्द्र और राज्य सरकारों ने जरूरतमंद लोगों के लिए अन्न के गोदाम खोल दिए और घर बैठे राशन सामग्री उपलब्ध कराई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने पिछले दिनों देश में आगामी मानसून की स्थिति को लेकर फारकास्ट जारी किया है। हालांकि एक समय था जब मौसम विभाग की भविष्यवाणी कुछ और कहती थी और वास्तविकता में कुछ और होती थी। पर अब मौसम विभाग का आकलन बहुत हद तक सटीक होने लगा है। मौसम विभाग ने जहां एक और देश में 98 फीसदी बरसात होने का पूर्वानुमान किया है तो उसने यह भी विश्वास दिलाया है कि अब मौसम विभाग एक माह के मानसून की स्थिति का आकलन भी करके बताएगा, जिससे खेती-किसानी को सीधा लाभ होगा। पिछले दिनों निजी क्षेत्र की संस्था स्काईमेट ने भी मानसून की भविष्यवाणी करते हुए देश में अच्छे मानसून की संभावना व्यक्त की है। देश में दक्षिण पश्चिम मानसून का सीधा सीधा असर होता है। खेती किसानी सारी की सारी दक्षिण पश्चिम मानसून पर निर्भर है। गए साल भी अच्छे मानसून के चलते देश में कृषि उपज का रेकार्ड उत्पादन हुआ है। आशा की जानी चाहिए कि इस साल भी अच्छे मानसून का लाभ खेती किसानी को मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा सहारा लेकर खेती किसानी आगे आएगी। बरसात के पानी की एक-एक बूंद को सहेजने का संदेश दिया जाता रहा है। इसके पीछे मूल कारण देश भर में जल स्तर का नीचे जाना और अधिकांश जोन को डार्क जोन में परिवर्तित होना है। ऐसे में पानी की एक-एक बूंद बचाने का संदेश दिया जा रहा है। कहा जाता है कि अगला विश्वयुद्ध होगा तो पानी भी उसका एक प्रमुख कारण होगा। हालांकि यह अतिशयोक्ति हो सकती है पर इसमें कोई दो राय नहीं की पानी की एक-एक बूंद को सहेजना आज की आवश्यकता हो गई है। दरअसल गांवों का शहरों में समाना और गगनचुंबी इमारतों के साथ ही गांवों में बोरवेलों की श्रृंखला बनने से धरती के पानी का अंधाधुंध दोहन होने लगा है। जितना पानी पीने के लिए चाहिए उससे कई गुणा अधिक पानी तो अब व्यर्थ के कामों में खर्च होने लगा है। पानी का अपव्यय इस कदर हो रहा है कि जल संकट के बावजूद हम इसका मोल समझ ही नहीं पा रहे। ऐसे में पानी की एक-एक बूंद को सहेजने का संदेश अपने आप में महत्वपूर्ण हो जाता है। मौसम विभाग ने अप्रैल में मानसून की संभावना जता दी है। अब सरकारों, गैरसरकारी संगठनों और आमजन का दायित्व हो जाता है कि बरसात के पानी का सदुपयोग हो। इसके लिए जल संग्रहण के पारंपरिक साधनों यथा ताल-तलैयाओं, एनिकटों, तालाबों, नदियों, बावड़ियों, टांकों या पानी के एकत्र करने के माध्यमों में पानी की निर्बाध आवक हो सके और आसानी से पानी का संग्रह हो, इसके समन्वित प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें हमारे सामाजिक दायित्व को समझना होगा। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग ढांचों की साफ सफाई व अवरोधों को हटाने का काम भी समय रहते करना होगा। प्रयास यह होना चाहिए कि बरसात की एक बूंद भी बेकार नहीं जाए और बरसात की एक-एक बूंद एकत्रित की जा सके। यह कार्य केवल सरकार के भरोसे नहीं हो सकता। इसके लिए जन साधारण को भी आगे आना होगा। एक समय था जब पानी संग्रहण के परंपरागत स्रोत बने हुए थे पर भूमाफियों और शहरीकरण के विस्तार में हमने ना केवल उन संग्रहण केन्द्रों को नष्ट कर दिया अपितु उनमें से जो बचे भी तो उनमें आने वाले पानी का राह ही बंद कर दी। जयपुर के रामगढ़ का जीता जागता उदाहरण हमारे सामने हैं। इस तरह के उदाहरण देश के हर कोने में आसानी से मिल जाएंगे। इसका खामियाजा भी हमें भुगतना पड़ रहा है। ऐसे में जहां अच्छे मानसून की भविष्यवाणी शुभ संकेत लेकर आई है तो अभी हमारे से डेढ़ से दो माह का समय है जिसमें हम पानी की एक एक बूंद को सहेजने की तैयारी कर सकते हैं। हालांकि इसके साथ ही पानी की बचत यानी एक-एक बूंद के अपव्यय को भी रोकना होगा। अच्छा मानसून राहत भरी खबर होती है तो इसका लाभ उठाना भी हमारा दायित्व हो जाता है। अभी से इस तरह का माहौल बनाना होगा कि बरसात की एक-एक बूंद को बर्बाद नहीं जाने देंगे और पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने का संकल्प लेंगे। तभी अच्छे मानसून का फायदा उठा सकेंगे। हमें भूमिगत जल के स्तर को बचाना होगा, ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे बरसात का पानी धरती में समाए और भूमिगत जल स्तर में सुधार हो। इसके लिए सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक करना होगा और जन जागरण करते हुए लोगों को वर्षा जल संग्रहण का संदेश देना होगा। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

जल बचत और फसल बढ़ाए

ड्रिप सिंचाई प्रौद्योगिकी

भारत में सिंचित क्षेत्र निवल बुवाई क्षेत्र का लगभग 36 प्रतिशत है। वर्तमान में कृषि क्षेत्र में संपूर्ण जल उपयोग का लगभग 83 प्रतिशत जल उपयोग में लाया जाता है। शेष 5, 3, 6 और 3 प्रतिशत जल का उपयोग क्रमशः घरेलू, औद्योगिक व उर्जा के क्षेत्रों तथा अन्य उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। भविष्य में अन्य जल उपयोगकर्ताओं के साथ प्रतिस्पर्धा बढ़ जाने के कारण विस्तृत होते हुए सिंचित क्षेत्र के लिए जल की उपलब्धता सीमित हो जाएगी। सिंचाई की परंपरागत सतही विधियों में जल की क्षति अधिक होती है। यदि ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई की विधियों को अपनाया जाए तो इन हानियों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इन सभी सिंचाई की विधियों में से ड्रिप सिंचाई सर्वाधिक प्रभावी है और इसे अनेक फसलों, विशेषकर सब्जियों, बागानी फसलों, पुष्पों और रोपण फसलों में व्यापक रूप से उपयोग में लाया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई में इमीटरों और ड्रिपरों की सहायता से पानी पौधों की जड़ों के पास डाला जाता है या मिटटी की सतह अथवा उसके नीचे पहुंचाया जाता है। इसकी दर 2-20 लीटर/घंटे अर्थात बहुत कम होती है। जल्दी-जल्दी सिंचाई करके मृदा में नमी का स्तर अनुकूलतम रखा जाता है। ड्रिप सिंचाई के परिणामस्वरूप जल अनुप्रयोग की दक्षता बहुत उच्च अर्थात लगभग 90-95 प्रतिशत होती है। विशिष्ट ड्रिप सिंचाई प्रणाली चित्र में दर्शायी गयी है।

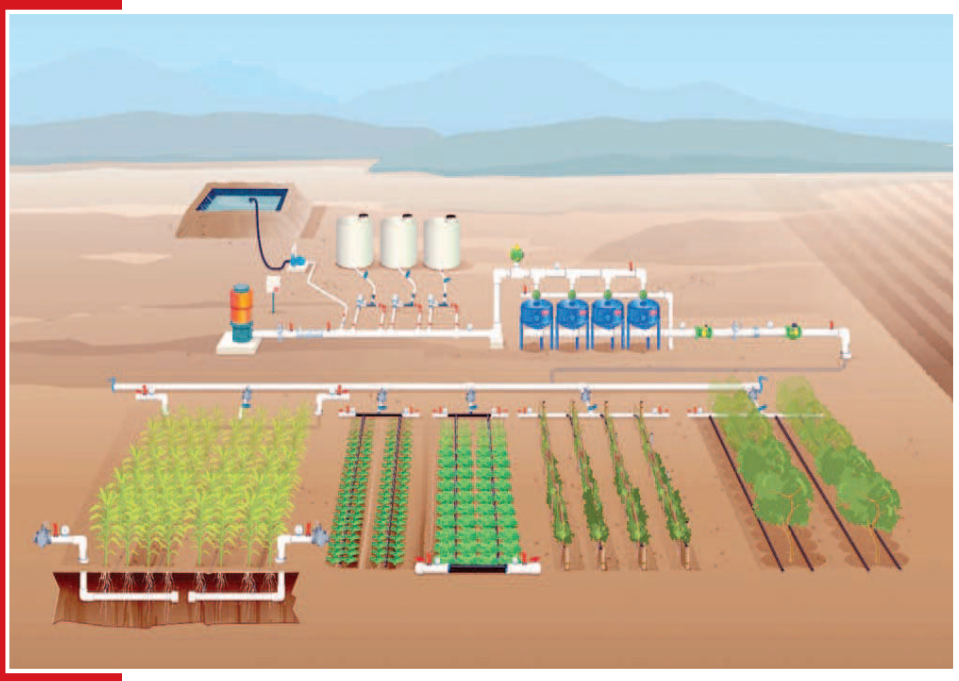

ड्रिप सिंचाई का इतिहास

भारत के कुछ भागों में प्राचीन परंपरा के अंतर्गत ड्रिप सिंचाई का उपयोग हुआ है और इसके द्वारा घर के आंगन में रखे तुलसी के पौधे की सिंचाई की जाती थी। गर्मियों के मौसम में पौधों की सिंचाई के लिए वृक्षों या पौधों के पास एक छोटा छेद करके पानी से भरा घड़ा लटका दिया जाता था जिससे बूंद-बूंद कर पानी टपकता रहता था। अरूणाचल प्रदेश के आदिवासी किसानों ने पतले बांस को पानी के प्रवाह के रूप में नाली का इस्तेमाल करते हुए ड्रिप सिंचाई प्रणाली को आदिप्रथा के रूप में अपनाया था। उप-सतही सिंचाई में ड्रिपरों का उपयोग जर्मनी में 1869 में पहली बार किया गया। 1950 के दशक के दौरान और इसके पश्चात पैट्रोरसायन उद्योग में हुई तेजी से वृद्धि से कम लागत पर प्लास्टिक के पाइपों का निर्माण करना संभव हुआ। ये पाइप धातु या सीमेंट-कंक्रीट से बने पाइपों की तुलना में सस्ते व सुविधाजनक थे। प्लास्टिक के पाइप दबाव के अंतर्गत जल को वहन करने में सुविधाजनक होते हैं तथा इन्हें वांछित संरचना में आसानी से तैयार किया जा सकता है।

प्लास्टिक से बने ड्रिप सिंचाई के खेतों या बागों में उपयोग में आने वाले पाइप व्यवहारिक दृष्टि से उत्तम होते हैं। ड्रिप सिंचाई प्रणाली का विकास खेत फसलों के लिए इजराइल में 1960 के दशक के आरंभ में तथा आस्ट्रेलिया व उत्तरी अमेरिका में 1960 के दशक के अंत में हुआ। इस समय अमेरिका में ड्रिप सिंचाई प्रणाली के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र है जो लगभग 1 मिलियन हैक्टर है। इसके बाद भारत, स्पेन, इजराइल आदि देश आते हैं। भारत में पिछले लगभग 15 वर्षों के दौरान ड्रिप सिंचाई के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में अत्यधिक वृद्धि हुई है। वर्तमान में, भारत सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप हमारे देश में लगभग 3.51 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई की जाती है जबकि 1960 में यह क्षेत्र केवल 40 हैक्टेयर था। महाराष्ट्र (94,000 है.), कर्नाटक (66,000 है.) और तमिलनाडू (55,000 है.) कुछ ऐसे राज्य हैं जिनमें बड़े क्षेत्रों में ड्रिप सिंचाई की जाने लगी है। भारत में सिंचाई की ड्रिप विधि से अनेक फसलें सींची जाती हैं। सबसे अधिक प्रतिशत वृक्षों में की जाने वाली ड्रिप सिंचाई का है जिसके बाद लता वाली फसलों, सब्जियों, खेत फसलों व अन्य फसलों का स्थान आता है।

ड्रिप और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों के लिए विकास की क्षमता

ड्रिप सिंचाई प्रणाली सभी बागानी व सब्जी वाली फसलों के लिए उपयुक्त है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली को प्याज और भिंडी सहित घनी फसलें उगने वाले खेतों में भी सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है।

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के बागवानी में प्लास्टीकल्चर अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय समिति ने अनुमान लगाया है कि देश में कुल 27 मिलियन हैक्टर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई का उपयोग किया जा रहा है।

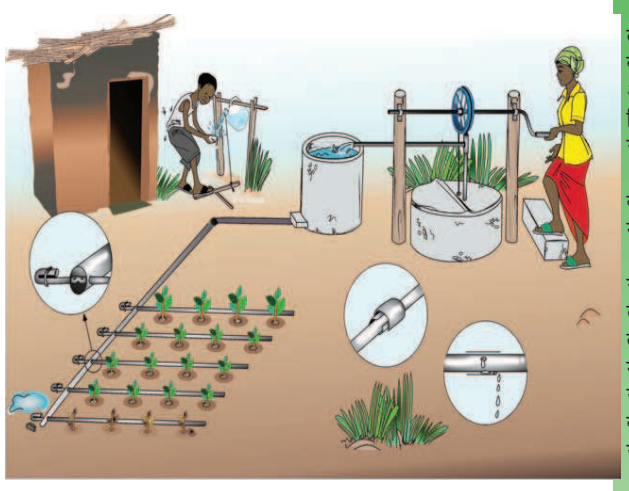

टपक सिंचाई प्रणाली

ड्रिप प्रणाली सिंचाई की उन्नत विधि है, जिसके प्रयोग से सिंचाई जल की पर्याप्त बचत की जा सकती है। यह विधि मृदा के प्रकार, खेत के ढाल, जल के स्त्रोत और किसान की दक्षता के अनुसार अधिकतर फसलों के लिए अपनाई जा सकती हैं। ड्रिप विधि की सिंचाई दक्षता लगभग 80-90 प्रतिशत होती है। फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-सथ इस विधि से उपज की उच्च गुणवत्ता, रसायन एवं उर्वरकों का दक्ष उपयोग, जल के विक्षालन एवं अप्रवाह में कमी, खरपतवारों में कमी और जल की बचत सुनिश्चित की जा सकती है।

इस विधि का उपयोग पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रहा है। सीमित जल संसाधनों और दिनों दिन बढ़ती हुई जलावश्यकता और पर्यावरण की समस्या को कम करने के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक निःसन्देह बहुत कारगर सिद्ध होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि को सममतल करना मंहगा और कठिन या असंभव हो उन क्षेत्रों में व्यावसायिक फसलों को सफलतापूर्वक उगाने के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक सर्वाधिक उपयुक्त है। ड्रिप तंत्र एक अधिक आवृति वाला ऐसा सिंचाई तंत्र है जिसमें जल को पौधों के मूलक्षेत्र के आसपास दिया जाता है। ड्रिप सिंचाई के द्वारा पौधे को आवश्यकतानुसार जल दिया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई के द्वारा 30-40 प्रतिशत तक उर्वरक की बचत, 70 प्रतिशत तक जल की बचत के साथ उपज में 100 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। इसके अतिरिक्त खरपवारों में कमी, ऊर्जा की खपत में बचत और उत्पाद की गुणवत्ता में बढ़ोतरी भी होती है।

जल की बचत : 70 प्रतिशत तक जल की बचत। सिंचाई का जल सतहपर बह कर और जमीन में मूलक्षेत्र से नीचे नहीं जाता है। सिंचाई के जल का बड़ा हिस्सा वाष्पन, रिसाव और जमीन में ज्यादा गहराई तक जाकर बर्बाद होता है।

जल के उपयोग की दक्षता : 80 से 90 प्रतिशत तक, 30-50 प्रतिशत, क्योंकि बहुतसारा सिंचाई का जल फसल तक पहुँचने में और खेत में वितरण में बर्बाद हो जाता है।

श्रम की बचत : ड्रिप तंत्र को लगभग प्रतिदिन शुरू और बन्द करने के लिए श्रम की बहुत कम आवश्यकता होती है। इसमें प्रति सिंचाई ड्रिप से ज्यादा श्रम की जरूरत होती है।

खरपतवार की समस्या : मिट्टी का कम हिस्सा नम होता है, इसलिए खेत में खरपतवार भी कम होते हैं।

खारे जल का उपयोग : जल्दी-जल्दी सिंचाई करने के कारण जड़ तंत्र में अधिक नमी रहती है और लवणों की सान्द्रता हानिकारक स्तर से कम रहती है। लवणों का सान्द्रण जड़ तंत्र में बढ़ जाता है, जिससे जड़ों कीवृद्धि रूक जाती है, इसलिए खारे जल का उपयोग नहीं करपाते हैं।

बीमारियों और कीड़े-मकोड़ों की समस्या : पौधों के आसपास वायुमण्डल में नमी की सान्द्रता कम रहती है, इसलिए पौधों में बीमारियों और कीड़े-मकोड़े लगने की संभावना कम रहती है।

खराब मृदाओं में उपयुक्तता : ड्रिप सिंचाई द्वारा मृदा में जल के वितरण को मृदा की प्रकार के अनुसार नियोजित किया जा सकता है। इसलिए, ड्रिप सिंचाई सब प्रकार की मृदाओं के लिए प्रयुक्त की जा सकतीहै।

जल का नियंत्रण : बिल्कुल सही और सरल ढंग से संभव।

उर्वरक उपयोग की दक्षता : निच्छालन और अपवाह न होने के कारण पोषक तत्व नष्ट नहीं होते हैं, इसलिए इनके उपयोग की दक्षता बढ़ जाती है। पोषक तत्व निच्छालन और बहाव में नष्ट हो जाते हैं, इसलिए उनके उपयोग की दक्षता निम्न होती है।

भूक्षरण : मिट्टी की सतह का आंशिक और नियंत्रित हिस्सा ही गीला होता है, इससे भूक्षरण नहीं होता है।

पैदावार में बढ़ोतरी : जल्दी-जल्दी सिंचाई से मिट्टी में जल तनाव नहीं रहता है और पौधों की वृद्धि अधिक होती है, जिससे पैदावार 100 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

ड्रिप सिंचाई के साथ-साथ फर्टिगेशन भी पहुंचता है पौधों तक

फर्टिगेशन दो शब्दों फर्टिलाइज़र अर्थात् उर्वरक और इर्रिगेशन अर्थात् सिंचाई से मिलकर बना है। ड्रिप सिंचाई में जल के साथ–साथ उर्वरकों को भी पौधों तक पहुँचाना फर्टिगेशन कहलाता है। ड्रिप सिंचाई में जिस प्रकार ड्रिपरों के द्वारा बूंद–बूंद कर के जल दिया जाता है, उसी प्रकार रासायनिक उर्वरकों को सिंचाई जल में मिश्रित करके उर्वरक अंतः क्षेपक यंत्र की सहायता से ड्रिपरों द्वारा सीधे पौधों के पास पहुँचाया जा सकता है। फर्टिगेशन उर्वरक देने की सर्वोत्तम तथा अत्याधुनिक विधि है।

फर्टिगेशन को फसल एवं मृदा की आवश्यकताओं के अनुरूप उर्वरक व जल का समुचित स्तर बनाए रखने के लिए अच्छी तकनीक के रूप में जाना जाता है। जल और पोषक तत्वों का सही समन्वय अधिक पैदावार और गुणवत्ता की कुंजी है। फर्टिगेशन द्वारा उर्वरकों को कम मात्रा में जल्दी–जल्दी और कम अन्तराल पर पूर्वनियोजित सिंचाई के साथ दे सकते हैं, इससे पौधों को आवश्यकतानुसार पोषक तत्व मिल जाते हैं और मूल्यवान उर्वरकों का निच्छालन द्वारा अपव्यय भी नहीं होता है।

सामान्यतः फर्टिगेशन में तरल उर्वरकों का ही प्रयोग किया जाता है परन्तु दानेदार और शुष्क उर्वरकों को भी फर्टिगेशन के द्वारा दिया जा सकता है। फर्टिगेशन के द्वारा शुष्क उर्वरकों को देने से पूर्व उनका जल में घोल बनाया जाता है। उर्वरकों के जल में घोलने की दर उनकी विलेयता और जल के तापमान पर निर्भर करती है। उर्वरकों के घोल को फर्टिगेशन से पहले छान लेना चाहिए।

फर्टिगेशन से लाभ

- फर्टिगेशन जल एवं पोषक तत्वों के नियमित प्रवाह को सुनिश्चित करता है जिससे पौधों की वृद्धि दर तथा गुणवत्ता में वृद्धि होती है।
- फर्टिगेशन द्वारा पोषक तत्वों को फसल की मांग के अनुसार उचित समय पर दे सकते हैं।
- फर्टिगेशन पोषक तत्वों की उपलब्धता और पौधों की जड़ों के द्वारा उनका उपयोग बढ़ा देता है।
- फर्टिगेशन उर्वरक देने की विश्वस्तरीय और सुरक्षित विधि है। इससे पौधों की जड़ों को हानि पहुँचने का भय नहीं रहता है।
- फर्टिगेशन से जल और उर्वरक पौधों के मध्य न पहुंचकर सीधे उनकी जड़ों तक पहँचते हैं इसलिए पौधों के मध्य खरपतवार कम संख्या में उगते हैं।
- फर्टिगेशन से भूमिगत जल का प्रदूषण नहीं होता है।
- फर्टिगेशन से फसलों के पूरे वृद्धि काल में उत्पादन को बिना कम किए, उर्वरक धीरे-धीरे दिए जा सकते हैं। ?
- उर्वरक-उपयोग की किसी अन्य विधि की तुलना में फर्टिगेशन सरल एवं अधिक सुविधाजनक है जिससे समय और श्रम की बचत होती है।
- ड्रिप सिंचाई द्वारा फर्टिगेशन करने से बंजर भूमि (रेतीली या चट्टानी मृदा) में जहां जल एवं
- तत्वों को पौधे के मूल क्षेत्र के वातावरण में नियन्त्रित करना कठिन होता है, फसल ली जा सकती है।
- उर्वरक-उपयोग की दक्षता बढ़ती है और उर्वरक की कम मात्रा में आवश्यकता होती है

रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ 75 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ 75 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर रह गया। कोविड-19 संक्रमण के मामलों में लगातार रिकॉर्ड बढ़ोतरी तथा घरेलू शेयर बाजार में नुकसान के कारण निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि देश में कोविड-19 मामलों में भारी तेजी आने की आशंकाओं के बीच आर्थिक सुधार बाधित होने की आशंका के कारण निवेशकों ने बाजार से किनारा रखा, इससे घरेलू शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 75.02 प्रति डॉलर पर कमजोर खुला। यह कारोबार के दौरान 74.75 से 75.07 रुपये प्रति डॉलर के बीच रहा। अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे के नुकसान के साथ 75.01 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (मुद्रा) राहुल गुप्ता ने कहा, ''भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के चलते बाजार में जोखिम की भावना बनी हुई है, हालांकि विदेशी मुद्रा बाजार में तेजड़ियों की पकड़ मजबूत रहेगी और हमें आरबीआई के हस्तक्षेप पर निगाह रखनी चाहिए। हमें डॉलर-रुपये के 74.50-75.50 के दायरे में रहने की उम्मीद है।'' रुपये ने साप्ताहिक आधार पर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 66 पैसे की गिरावट दर्ज की। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक श्रीराम अय्यर ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी के चलते आर्थिक नुकसान और विदेशी पूंजी के बाहर जाने की आशंका से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में शुक्रवार को और इस सप्ताह गिरावट रही। उन्होंने कहा कि हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा डॉलर बेचने की संभावना के चलते रुपये में किसी बड़ी गिरावट की आशंका नहीं है। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.34 प्रतिशत के नुकसान से 91.02 रह गया। इस बीच, वैश्विक मानक माने जाने वाले ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.06 प्रतिशत के नुकसान से 65.36 डॉलर प्रति बैरल रह गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे जिन्होंने बृहस्पतिवार को बाजार से 909.56 करोड़ रुपये की निकासी की।

सेबी ने प्रतिभूति बाजार से दो इकाइयों और तीन व्यक्तियों प्रतिबंधित किया

नयी दिल्ली, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अनधिकृत रूप से निवेश सलाहकार सेवाएं प्रदान करने के आरोप में दो संस्थाओं और तीन व्यक्तियों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित किया है। बृहस्पतिवार को पारित किये गये दो अलग अलग आदेश में ए टू फाइनेंशियल सर्विसेज (ए2एफएस) और इसके साझेदारों - आशीष जैन और आशुतोष मिश्रा - और मनी बूस्टर और इसके एकमात्र प्रोपराइटर अनुराग सिंह को प्रतिभूति बाजार में काम करने से रोक दिया गया है। उन्हें आदेशों की तिथि से तीन महीने के भीतर, उनकी अपंजीकृत निवेश सलाहकार गतिविधियों के लिए निवेशकों से एकत्र धन वापस करने का निर्देश दिया गया है।

अंबानी ने ब्रिटेन का प्रतिष्ठित कंट्री क्लब स्टोक पार्क 592 करोड़ रुपये में खरीदा

नयी दिल्ली, अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने ब्रिटेन के प्रतिष्ठित कंट्री क्लब और लक्जरी गोल्फ रिसार्ट, स्टोक पार्क को 5.70 करोड़ पाउंड (करीब 592 करोड़ रुपये) में खरीद लिया है। रिलायंस का यह अधिग्रहण उसके आबरॉय होटल और मुंबई में उसके द्वारा विकसित की जा रही, होटल व्यवस्थित आवासीय सुविधाओं में किये गये मौजूदा अधिग्रहण के साथ हो रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले चार सालों के दौरान 3.3 अरब डालर के अधिग्रहण की घोषणा की है। इसमें से 14 प्रतिशत खुदरा क्षेत्र में किया गया, 80 प्रतिशत प्रौद्योगिकी, मीडिया और दूरसंचार क्षेत्र में वहीं शेष छह प्रतिशत निवेश ऊर्जा क्षेत्र में किया गया है। रिलायंस ने बृहस्पतिवार देर शाम भेजी गई नियामकीय सूचना में कहा है कि ब्रिटेन स्थित स्टोक पार्क उसके उपभोक्ता और आतिथ्य संपत्ति क्षेत्र का हिस्सा बनेगी।

इंडिया रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाकर 10.1 प्रतिशत किया

मुंबई,
आर्थिक शोध एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एण्ड रिसर्च ने शुक्रवार को वर्ष 2021- 22 के लिये भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का अनुमान पहले के 10.4 प्रतिशत से घटाकर 10.1 प्रतिशत कर दिया है। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर को देखते हुये यह संशोधन किया गया है। इंडिया रेटिंग्स ने कहा है कि जब देश के बड़े हिस्से में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों से चिकित्सा सुविधाओं पर भारी दबाव है। ऐसे में एजेंसी ने कहा है कि कोरोना की यह दूसरी लहर मध्य मई से कमजोर पड़नी शुरू हो जायेगी। रिजर्व बैंक ने भी इस माह की शुरुआत में जारी मौद्रिक नीति की समीक्षा में चालू वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी वृद्धि 10.5 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया है हालांकि गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस दौरान देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को वृद्धि के रास्ते में आने वाली सबसे बड़ी अड़चन बताया। अन्य ब्रोकरेज कंपनियां और विश्लेषक भी कोरोना वायरस की दूसरी लहर को देखते हुये भारत की आर्थिक वृद्धि के अपने अनुमानों को कम कर रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष 2020- 21 में भारत की जीडीपी दर में 7.6 प्रतिशत गिरावट आने का अनुमान है। इंडिया रेटिंग्स ने कहा है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर का आर्थिक प्रभाव इतना ज्यादा नहीं होगा जैसा कि पहली लहर का पड़ा था। इसकी वजह, पहली लहर के चरम पर पहुंचने के समय जितने मामले थे उसके मुकाबले दूसरी लहर में दैनिक मामलों की संख्या तीन गुणा तक पहुंच जाने के बावजूद लॉकडाउन स्थानीय स्तर तक ही सीमित रखा जा रहा है। इसके साथ ही कोरोना वायरस का टीका लगने से भी सुरक्षा बढ़ेगी। देश में 21 अप्रैल तक 13.20 करोड़ लोगों को टीका लग चुका है। सरकार ने एक मई से सभी वयस्कों को टीका लगाने की घोषणा की है इसके लिये 176.80 करोड़ खुराक की आवश्यकता होगी। टीके का उत्पादन और टीकाकरण की रफ्तार दोनों ही कोरोना के बढ़ते मामलों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण होंगे।

सर्राफा-एमसीएक्स: सोने की चमक बढ़ी, चांदी कमजोर

नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय बाजार में पीली धातु में मजबूती के बीच घरेलू स्तर पर वायदा बाजार में सोने की चमक बढ़ गई जबकि चांदी फीकी रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 3.40 डॉलर की बढ़त के साथ 1,787.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। जून का अमेरिकी सोना वायदा 5.70 डॉलर चढ़कर 1,787.70 डॉलर प्रति औंस बोला गया। इस दौरान चांदी हाजिर 26.14 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रही। घरेलू स्तर पर एमसीएक्स वायदा बाजार में सोना 46 रुपए यानी 0.10 प्रतिशत चढ़कर 47,818 रुपए प्रति 10 ग्राम पर और सोना मिनी 49 रुपए की बढ़त के साथ 47,475 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। इस दौरान चांदी 236 रुपए यानी 0.34 प्रतिशत फिसलकर 68,982 रुपए प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 229 रुपए की गिरावट के साथ 69,019 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई।

एसबीआई ने योनो पर वीडियो केवाईसी आधारित बचत खाते की पेशकश की

मुंबई (एजेंसी)

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने मोबाइल बैंकिंग ऐप योनो पर वीडियो केवाईसी आधारित बचत खाता खोलने की सुविधा दी है। बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह पहल कृत्रिम बुद्धिमत्ता और चेहरे की पहचान तकनीक द्वारा संचालित है, जो पूरी तरह संपर्क रहित तथा कागजी कार्रवाई रहित है। बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा, ''यह ग्राहकों की सुरक्षा, वित्तीय सुरक्षा और कम लागत सुनिश्चित करने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। हमें विश्वास है कि यह पहल मोबाइल बैंकिंग में एक नया आयाम जोड़ेगी और ग्राहकों को उनकी बैंकिंग जरूरतों के लिए डिजिटल होने का अधिकार देगी।'' यह सुविधा बैंक में नया बचत खाता खोलने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी। इस नई सुविधा का लाभ उठाने के लिए योनो (यू ओनली नीड वन) ऐप डाउनलोड करना होगा, और उसके बाद 'न्यू टू एसबीआई' पर क्लिक करें और फिर 'इंस्टा प्लस सेविंग अकाउंट' को चुनें। ग्राहकों को ऐप में अपना आधार विवरण दर्ज करना होगा, और आधार प्रमाणीकरण पूरा होने के बाद, उन्हें केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत विवरण इनपुट करना होगा और वीडियो कॉल शेड्यूल करना होगा। बैंक ने कहा कि वीडियो केवाईसी के सफल होने पर खाता अपने आप खुल जाएगा।

कोविड चिंता के साथ उतार-चढ़ाव वाले कारोबार में सेंसेक्स 202 अंक टूटा

मुंबई (एजेंसी)

बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 202 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। कोविड-19 संक्रमण मामले तेजी से बढ़ने और उसका अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता के बीच आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और एचयूएल में गिरावट के साथ शेयर बाजार नीचे आया। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में गिरावट और इसके 75 के पार जाने तथा वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख का भी घरेलू बाजार पर प्रभाव पड़ा। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 202.22 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 47,878.45 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 64.80 अंक यानी 0.45 प्रतिशत टूटकर 14,341.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में महिंद्रा एंड महिंद्रा रहा। यह 2.63 प्रतिशत नीचे आया। इसके अलावा डा. रेड्डीज, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक और इन्फोसिस में भी गिरावट रही दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी और एशियन पेंट्स शामिल हैं। इनमें 3.51 प्रतिशत तक की तेजी आयी। अवकाश के कारण कम कारोबारी दिवस वाले सप्ताह में सेंसेक्स 953.58 यानी 1.95 प्रतिशत जबकि निफ्टी 276.50 अंक यानी 1.89 प्रतिशत नीचे आये। कोटक सिक्योरिटीज के बुनियादी शोध प्रमुख रूसमिक ओझा ने कहा कि भारतीय बाजार इस सप्ताह कोविड-19 मामलों में तेजी से वृद्धि के कारण एफपीआई की बिकवाली के कारण दबाव में आया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के 75 के आसपास बने रहने के साथ एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) इस सप्ताह शुद्ध रूप से बिकवाल रहे। उन्होंने कहा, ''भारत में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और यह एक तरह से केंद्र बन गया है। ऐसे में कंपनियों की आय में कमी की आशंका है। यह मझोले और छोटी कंपनियों के मामले में अधिक हो सकती है।''

ओझा ने कहा, ''विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा फिर से 'लॉकडाउन' और अन्य पाबंदियां लगाये जाने से मांग पर असर पड़ेगा और व्यापार गतिविधियां भी प्रभावित होंगी। इसके अलावा जिंसों के दाम में तेजी से विनिर्माता कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ेगा। कई सारी नकारात्मक कारणों के एक साथ आने से निकट भविष्य में बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।'' स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार देश में एक दिन में रिकॉर्ड 3,32,730 नये मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 1,62,63,695 हो गए हैं। आंकड़े के मुताबिक 24 लाख से अधिक लोग संक्रमण की चपेट में हैं। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग और सोल में तेजी रही जबकि तोक्यो बाजार नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में मध्याह्न कारोबार में नुकसान का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65.36 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे टूटकर 75.01 पर बंद हुआ। शेयर बाजार के अस्थायी आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं।

ईएसआईसी योजना से फरवरी में जुड़े 11.58 लाख नए सदस्य

(एजेंसी):

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की सामाजिक सुरक्षा योजना से इस साल फरवरी में 11.58 लाख नए सदस्य जुड़े। जबकि इससे पूर्व माह जनवरी में 11.78 लाख सदस्य जुड़े थे। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़े में यह जानकारी दी गई जो मोटे तौर पर देश के संगठित क्षेत्र में रोजगार की स्थिति को बयां करता है। ताजा आंकड़ा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी रिपोर्ट का हिस्सा है। आंकड़ों के अनुसार सकल रूप से ईएसआईसी की योजना से जून 2020 में 8.87 लाख, मई में 4.89 लाख और अप्रैल में 2.63 लाख सदस्य जुड़े थे। यह बताता है कि कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन में ढील दिए जाने के बाद से योजनाओं से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या बढ़ी है यानी नए लोगों को नियमित वेतन पर रोजगार प्राप्त हुए। ताजा आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2020 में ईएसआईसी की योजना से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या सकल रूप से 7.63 लाख थी जो अगस्त में सुधरकर 9.5 लाख, सितंबर में 11.58 लाख और अक्टूबर 2020 में 12.11 लाख रही। वहीं नवंबर में यह घटकर 9.56 लाख रह गई। दिसंबर 2020 में ईएसआईसी की योजना से जुड़ने वाले सदस्यों की कुल संख्या सुधरकर 12.30 लाख रही। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार 2019-20 में ईएसआईसी की योजनाओं से जुड़ने वाले सदस्यों की कुल संख्या 1.51 करोड़ रही जो 2018-19 में 1.49 करोड़ थी। सितंबर 2017 से मार्च 2018 के दौरान करीब 83.35 लाख नए अंशधारक ईएसआईसी योजना से जुड़े थे। रिपोर्ट के अनुसार सितंबर 2017 से जनवरी 2021 के दौरान ईएसआईसी से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या 4.86 करोड़ रही थी। एनएसओ की रिपोर्ट ईएसआईसी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की योजनाओं से जुड़ने वाले नये अंशधारकों के आंकड़ों पर आधारित है। एनएसओ इन संगठनों के आंकड़े अप्रैल 2018 से जारी कर रहा है। इसमें सितंबर 2017 से आंकड़े लिये गये हैं। रिपोर्ट के अनुसार शुद्ध रूप से ईपीएफओ से फरवरी में 12.37 लाख नये अंशधारक जुड़े। यह जनवरी 2021 के 11.95 लाख से अधिक है। इसमें कहा गया है कि सितंबर 2017 से फरवरी 2021 के दौरान करीब 4.11 करोड़ (सकल) नये अंशधारक ईपीएफओ योजना से जुड़े। 'भारत में पेरोल (नियमित वेतन पर रखे गये लोग) रिपोर्टिंग- रोजगार परिदृश्य-फरवरी 2021% शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि चूंकि सदस्यों की संख्या विभिन्न स्रोतों से ली गई है, ऐसे में आंकड़ों में दोहराव हो सकता है और अनुमान को जोड़ा नहीं जा सकता। एनएसओ ने यह भी कहा कि रिपोर्ट संगठित क्षेत्र में रोजगार के स्तर के बारे में अलग-अलग परिदृश्य को बताती है और यह समग्र रूप से नौकरी का आकलन नहीं करती।

कैनरा रोबेको म्यूचुअल फंड 23 अप्रैल 2021 से 7 मई 2021 तक फोकस्ड इक्विटी फंड एनएफओ को करेगा लांच

मुंबई । कैनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने आज अपने नए फंड ऑफर (एनएफओ) कैनरा रोबेको फोकस्ड इक्विटी फंड के लांच की घोषणा की है, यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना है, जो विविध क्षेत्रों में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियों में अधिकतम 30 स्टॉक्स में निवेश करेगी। 15 दिनों का यह एनएफओ अवधि शुक्रवार, 23 अप्रैल, 2021 से शुरू होगा और शुक्रवार, 7 मई, 2021 तक बंद होगा ।

नई योजना कैनरा रोबेको फोकस्ड इक्विटी फंड का बाजार पूंजीकरण में 30 उच्च कनविक्शन स्टॉक्स में केंद्रित प्रदर्शन का उद्देश्य रखती है और यह विविधपूर्वक रहकर भी ऊंचे जोखिम-समायोजित रिटर्न की विशेषताओं के लिए लक्ष रखेगी। फंड मैनेजर इस दृष्टिकोण को अपनाते हुए, नए स्कीम पोर्टफोलियो का हिस्सा बनने के लिए सस्टेनेबल और हाई ग्रोथ अपॉर्चुनिटी और क्वालिटी, और अर्निंग पोटेंशियल की संभावना वाले व्यवसायों की पहचान करेगा। श्री मोहित भाटिया-प्रमुख- सेल्स एंड मार्केटिंग ने कैनरा रोबेको फोकस्ड इक्विटी फंड को लांच करने के तर्क पर कहा की, च फोकस्ड इक्विटी पोर्टफोलियो की श्रेणी में हमारे नए प्रोडक्ट को प्रस्तुत करने के लिए हम बहुत खुश है। सीआएफईएफ एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना है, जो विकास के अवसरों पर निर्भर बाजार पूंजीकरण में 30 उच्च कनविक्शन स्टॉक्स में केंद्रित एक्सपोजर रखती है। फंड रिस्क के सेक्टर के लिए क्षेत्रों में ऑप्टीमल पोर्टफोलियो विविधीकरण को प्राप्त करने के उद्देश्य से सर्वोत्तम विचारों का चयन करने के लिए एक्टिव अलोकेशन से लाभान्वित होता है। बाजार पूंजीकरण अज्ञेय इक्विटी पोर्टफोलियो में निवेश के माध्यम से, यह प्रोडक्ट मध्यम से लंबी अवधि के लिए संभावित पूंजीगत लाभ की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए अच्छे से अनुकूल है, हमारे निवेश टीम द्वारा निर्धारित, इसमें अच्छी तरह से शोध किए गए और उच्च कनविक्शन व्यवसायों के चयन का समावेश है।

श्री निमेष चंदन-प्रमुख- निवेश, इक्विटी ने कहा की, " सभी क्षेत्रों और बाजार पूंजीकरण में कैनरा रोबेको फोकस्ड इक्विटी फंड का उच्च विश्वास वाले चुनिंदा विचारों का एक पोर्टफोलियो रहेगा, जो की मध्यम से लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अच्छी रिटर्न्स उत्पन्न होने की उम्मीद करता है। कई सालों से, हमारे फंड्स ने अच्छी गुणवत्ता, विकास उन्मुख व्यवसायों के चयन के माध्यम से हमारे निवेशकों के लिए अच्छे रिटर्न्स को उत्पन्न किया है। केंद्रित फंड्स के लिए, हम ऐसी कंपनी को पहचानने का प्रयास करते है, जहाँ हम महत्वपूर्ण आवंटन कर सके और सही चयन के फायदों का लाभ उठा सके।

एनटीपीसी की राख के इस्तेमाल पर नये विचारों को लेकर प्रतियोगिता की घोषणा

नयी दिल्ली (एजेंसी),

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी ने कोयला बिजली घरों से निकलने वाली राख (फ्लाई ऐश) के बेहतर इस्तेमाल को लेकर नये विचारों को आमंत्रित करते हुये एक प्रतियोगिता की घोषणा की है।

कंपनी की विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रतियोगिता का मकसद उसके बिजली कारखानों से निकलने वाली शत प्रतिशत राख के इस्तेमाल के बारे में नये विचारों को सामने लाना है। यह प्रतियोगिता 20 अप्रैल को शुरू होकर 19 मई 2021 को बंद हो जायेगी।इस प्रतियोगिता अभियान के जरिये एनटीपीसी अपने कर्मचारियों के साथ साथ आम जनता को भी राख के उड़ने से पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाने के लिये नये विचारों के योगदान के लिये प्रेरित करना है।एनटीपीसी ने इस प्रतियोगिता के लिये कुल 12 लाख रुपये का पुरस्कार रखा है जिसमें पहले विजेता को पांच लाख रुपये दिये जायेंगे।एनटीपीसी की चिंता उसके कोयला बिजली घरों से निकलने वाली राख के टिकाऊ इस्तेमाल को लेकर है। वह चाहती है कि इसके इस्तेमाल का कोई टिकाऊ निदान देने वाला विचार उसके सामने आये।एनटीपीसी के संयंत्रों से निकलने वाली राख का इस्तेमाल वैसे सीमेंट, कंक्रीट, कंक्रीट के उत्पाद, सेल्यूलर कंक्रीट उत्पादों, ईंट, ईंट के ब्लाक, टाइल बनाने में किया जा रहा है।एनटीपीसी ने अपने कोयला आधारित बिजलीघरों में सूखी राख की उपलब्धता के लिये भंडारण प्रणाली स्थापित की है। फ्लाईऐश को एक स्थान से दूसरे स्थान पर सुरक्षित तरीके से ले जाने के लिये एनटीपीसी रेलवे नेटवर्क का इस्तेमाल करती है।

एनटीपीसी के देशभर में 70 बिजली घर है, इनमें 26 नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनायें है। इनकी कुल 65,825 मेगावाट बिजली उत्पादन की स्थापित क्षमता है।

कंपनी के 18 गीगावाट उत्पादन क्षमता की परियोजनायें निर्माणाधीन हैं जिसमें से पांच गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनायें हैं।

कोल इंडिया ने 100 मेगावाट सौर परियोजना के लिये जीयूवीएनएल के साथ बिजली खरीद समझौता किया

नयी दिल्ली (एजेंसी),

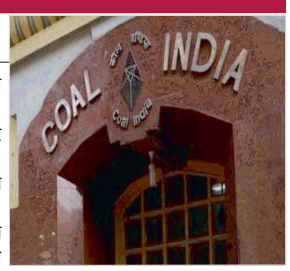

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसने गुजरात ऊर्जा विकास निगम लि. (जीयूवीएनएल) के साथ 100 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना के लिये पहला बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। सीआईएल ने एक बयान में कहा कि यह समझौता 25 साल के लिये है। कंपनी ने कहा, ''हम सौर परियोजनाओं की नीलामी में पहली प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में परियोजना हासिल कर उत्साहित हैं। हम भविष्य में इस प्रकार की और नीलामी में आक्रमक रूप से भाग लेंगे।'' सीआईएल मार्च में जीयूवीएनएल की सौर ऊर्जा क्षमताओं की नीलामी में 100 मेगावाट की परियोजना हासिल करने में सफल रही। इस परियोजना से उत्पादित बिजली के लिये उसने जीयूवीएनएल के साथ बिजली खरीद समझौता किया है। इसके तहत कंपनी को समझौते की तरीख से 18 महीने के भीतर परियोजना चालू करनी है और उत्पादित बिजली जीयूवीएनएल को उपलब्ध करानी है। कोल इंडिया 100 मेगावाट की इस परियोजना को सौर इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) ठेकेदार के जरिये स्थापित करेगी। इसके लिये उसने निविदा जारी की है और चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। परियोजना का क्रियान्वयन कार्य का आर्डर देने की तारीख से एक साल भीतर किया जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि कोल इंडिया कारोबार को विविध रूप देने की योजना के तहत वैकल्पिक हरित ऊर्जा स्रोत के रूप में सौर बिजली के क्षेत्र में तेजी से कदम बढ़ाएगी। कंपनी ने 2024 तक 3,000 मेगावाट सौर बिजली उत्पादन क्षमता का लक्ष्य रखा है। कोल इंडिया की सौर बिजली परियोजनाओं में करीब 13,500 करोड़ रुपये निवेश की योजना है। यह राशि कंपनी आंतरिक स्रोतों, विशेष उद्देश्यीय कंपनी और बैंक कर्ज के जरिये जुटाएगी।

अमेरिका ने कोविड-19 टीके के कच्चे माल के निर्यात पर लगी रोक के बचाव में दिए तर्क

वाशिंगटन (एजेंसी):

अमेरिका ने कोविड-19 टीके के उत्पादन में काम आने वाले प्रमुख कच्चे माल के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध के पक्ष में तर्क देते हुए कहा है कि उसका पहला दायित्व अमेरिकी लोगों की जरूरतों को देखना है। अमेरिका में कोविड-19 टीके के प्रमुख कच्चे माल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा है। इससे भारत में इस टीके के विनिर्माण में सुस्ती आने की आशंका बढ़ गई है। विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि बाइडेन प्रशासन का पहला दायित्व अमेरिका के लोगों की जरूरतों का ध्यान रखना है। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस से जब यह पूछा गया कि बाइडेन प्रशासन कोरोना टीके के कच्चे माल के निर्यात पर लगी रोक को उठाने के भारत के आग्रह पर कब फैसला लगा तो जवाब में उन्होंने कहा, अमेरिका सबसे पहले और जो जरूरी भी है, अमेरिकी लोगों के महत्वकांक्षी टीकाकरण के काम में लगा है। यह टीकाकरण प्रभावी और अब तक सफल रहा है। प्रवक्ता ने कहा, यह अभियान बेहतर ढंग से चल रहा है और हम यह कुछ वजहों से कर रहे हैं। पहला, अमेरिकी लोगों के प्रति हमारी विशेष जवाबदेही है। दूसरा, किसी भी अन्य देश के मुकाबले अमेरिकी लोगों को इस बीमारी से सबसे ज्यादा नुकसान झेलना पड़ा है। अकेले अमेरिका में ही लाखों लोगों को संक्रमण हुआ है और साढ़े पांच लाख से अधिक मौतें हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह न केवल अमेरिका के हित में है कि बल्कि यह शेष दुनिया के भी हित में है कि अमेरिका के सभी लोगों को टीका लगे। प्रवक्ता ने कहा कि जहां तक बाकी दुनिया की बात है, हम अपने पहले दायित्व को पूरा करने के साथ जो कुछ भी कर सकेंगे वह हम करेंगे। भारत में इन दिनों कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। देश में शुक्रवार को पिछले 24 घंटे के दौरान 3.32 लाख नये संक्रमितों के मामले जुड़ गये हैं जिसके साथ कुल मामले 1,62,63,695 तक पहुंच गये हैं। वहीं, सक्रिय मामलों की संख्या 24 लाख के पार पहुंच गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन प्रशासन ने हाल ही में नई दिल्ली को भेजे संदेश में कहा कि वह भारत की औषधीय आवश्यकताओं को समझता है और वह मामले पर गौर करेगा।

लीस्टर ने वेस्ट ब्रोम को 3-0 से हराकर तीसरे स्थान पर स्थिति मजबूत की

लंदन . जेमी वार्डी ने दो महीने बाद अपना पहला गोल दागा जिससे लीस्टर ने वेस्ट ब्रोम को 3-0 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत करके चैंपियन्स लीग के लिये क्वालीफाई करने की उम्मीदें बढ़ा दी। वार्डी ने अपने पिछले 11 मैचों में गोल नहीं किया था। उन्होंने 23वें मिनट में लीस्टर की तरफ से पहला गोल किया। इसके बाद जॉनी इवान्स और केलेची इहियान्चो ने गोल करके लीस्टर को मध्यांतर तक 3-0 से आगे कर दिया। लीस्टर ने आखिर तक यह बढ़त कायम रखी। इस जीत से लीस्टर ने तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। वह अब चेल्सी और वेस्ट हैम से चार अंक आगे हो गया है। लीस्टर के 32 मैचों में 59 अंक हो गये हैं। मैनचेस्टर सिटी 33 मैचों में 77 अंक लेकर पहले और मैनचेस्टर यूनाईटेड 32 मैचों में 66 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

हार का सिलसिला तोड़ने के इरादे से उतरेंगी केकेआर और राजस्थान रॉयल्स

मुंबई ।

आईपीएल के 14 वें सत्र में शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की टीमें आमने-सामने होंगी। इन दोनो ही टीमों का इस बार आईपीएल में प्रदर्शन प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में ये दोनो ही टीमें इस मैच को जीतकर जीत की राह पर वापसी करना चाहेंगी। दोनो ही टीमों को अपने शीर्ष क्रम के विफल रहने के कारण अब तक के मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। कप्तान इयोन मोर्गन की की टीम केकेआर और संजू सैमसन के नेतृत्व में खेल रही रॉयल्स की टीम अभी तक इस टूर्नामेंट में लय में नहीं दिखी है। इसके साथ ही टीम के खिलाड़ी एक इकाई के तौर पर भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। दोनों ही टीमों के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अब तब रन नहीं बना पाये हैं। इसके साथ ही कोई भी जोड़ी बड़ी साझेदारी नहीं बना पायी है। दोनों टीमों को पिछले मैचों में निचले मध्यक्रम ने संभाला था हालांकि इसके बाद भी दोनो ही टीमें जीत से दूर रह गयी थीं। के के आर ने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था पर इसके बाद उसे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। केकेआर अंकतालिका में चार मैचों में एक जीत के साथ ही छठे स्थान पर है और अब उसका सामना अंतिम स्थान पर कायम राजस्थान टीम से है जिसने चार मैचों में तीन में हार का सामना करना पड़ा है। अब इस मैच में दोनो ही टीमें जीत दर्ज कर जीत की राह पर आने का प्रयास करेंगी। केकेआरे 1 ने टीम शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के नाकाम रहने के बाद भी पैट कमिन्स की शानदार बल्लेबाजी से पिछले मैच में महेन्द्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम को कड़ी टक्कर दी थी हालांकि अंत में उसे 18 रन से हार का सामना करना पड़ा था। अब टीम को शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों विशेषकर शुभमन गिल और मोर्गन से बड़ी पारियों की उम्मीद रहेगी। वहीं दूसरी ओर केकेआर को विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और आक्रामक बल्लेबाज आंद्रे रसेल के फार्म में आने से राहत मिली है। राजस्थान रॉयल्स को पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) से करारी हार का सामना करना पड़ा था, ऐसे में वह दबाव में रहेगी। सैमसन की कप्तानी वाली टीम ने अभी तक केवल अपना दूसरा मैच दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ ही जीता था। सैमसन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पहले मैच में 119 रन की पारी खेली थी पर इसके बाद वह रन बनाने के लिये संघर्ष करती नजर आयी।

दास, दीपिका ने तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में प्रवेश किया

ग्वाटेमाला सिटी।

ओलंपियन अतनु दास और उनकी तीरंदाज पत्नी दीपिका कुमारी यहां जारी तीरंदाजी विश्व कप चरण 1 में रविवार को व्यक्तिगत पुरुष और महिला रिकर्व फाइनल में भाग लेंगे। मिश्रित टीम कांस्य पदक मैच में भारत का सामना अमेरिका से होगा। स्वर्ण पदक के लिए मैक्सिको का सामना जर्मनी से होगा। दास ने क्वालीफिकेशन राउंड में अच्छा फॉर्म दिखाया था और अगर वह रविवार को भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो इससे उन्हें व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने का मौका मिलेगा। दूसरे रैंकिंग के खिलाड़ी दास, मैक्सिको के एंजेल अल्वाराडो से भिड़ेंगे जो पहले सेमीफाइनल में 11वीं रैंकिंग पर हैं। महिलाओं की रिकर्व सेमीफाइनल में तीसरी रैंक्ड दीपिका मैक्सिको की अलेजांद्रा वालेंसिया से भिड़ेंगी। अन्य सेमीफाइनल में अमेरिका की मैकेंजी ब्राउन का सामना रोमानिया की मादालिना अमाईस्टरोई से होगा।

नडाल ने तीन सेट तक चले मैच में निशिकोरी को हराया

बार्सिलोना : राफेल नडाल ने केई निशिकोरी को 6-0, 2-6, 6-2 से हराकर बार्सिलोना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस टूर्नामेंट में 11 बार के चैंपियन नडाल ने पहला सेट आसानी से जीता लेकिन जापानी खिलाड़ी निशिकोरी ने दूसरे सेट में अच्छी वापसी करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। नडाल ने तीसरे सेट में दो बार निशिकोरी की सर्विस तोड़ी और फोरहैंड विनर से दूसरे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। नडाल ने पहले दौर में भी तीन सेट में जीत हासिल की थी। नडाल का सामना अब ब्रिटेन के कैमरन नोरी से होगा। नोरी ने डेविड गोफिन के चोट के कारण दूसरे सेट में हट जाने के बाद अंतिम आठ में जगह बनाई। दूसरी वरीयता प्राप्त स्टेफनोस सिटिसिपास ने अलेक्स डि मिनौर को 7-5, 6-3 से पराजित किया जबकि आंद्रे रूबलेव ने अल्बर्ट रामोस विनोलास को 6-4, 6-7 (4), 6-4 से हराया। कोरोना वायरस महामारी के कारण पिछले साल इस टूर्नामेंट का आयोजन नहीं हुआ था।

खिलाड़ियों को विदेश में ट्रेनिंग के लिए भेजते समय सावधान रहें खेल महासंघ : बत्रा

नई दिल्ली।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) से कहा है कि वे अपने खिलाड़ियों को विदेश में ट्रेनिंग या प्रतियोगिताओं की योजना बनाते समय बेहद सावधानी रखें। बत्रा ने कहा कि ट्रेनिंग और प्रतियोगिता के लिए विदेश जाने वाले खिलाड़ी और अधिकारी सतर्कता बरतें और अपनी यात्रा सीमित रखें। आईओए सदस्यों और राष्ट्रीय महासंघों से बत्रा ने कहा, ''कोविड-19 मामलों के बढ़ते हुए मामलों का देखते हुए शिविर में हिस्सा ले रहे और विदेश जाने की योजना बना रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों को संक्रमण से बचाने के पर्याप्त उपाय करने होंगे।'' उन्होंने कहा कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि यात्रा करते हुए बेहद सतर्क रहें। हमें अपनी आवाजाही को सीमित करना होगा।'' आईओए प्रमुख ने विदेशों में टूर्नामेंटों के दौरान भारतीय जूडो खिलाड़ियों और मुक्केबाजों के संक्रमण के लिए पॉजिटिव पाए जाने को देखते हुए यह बात कही है। इससे पहले ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले मुक्केबाज आशीष कुमार स्पेन के के स्टेलोन में बॉक्सेम इंटरनेशनल फाइनल से कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए थे जिसके बाद उन्हें और उनके साथ कमरा साझा कर रहे मुक्केबाजों सुमित सांगवान और मोहम्मद हुसामुद्दीन को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था।

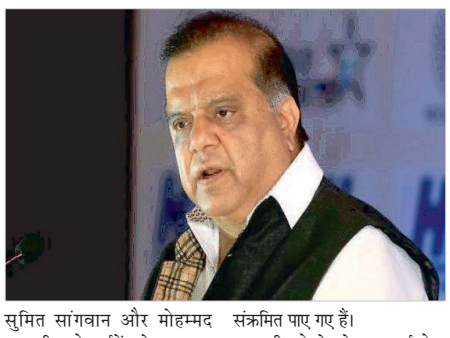

इसके अलावा भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के परीक्षण में पटियाला, बेंगलुरू, भोपाल और दिल्ली में विभिन्न राष्ट्रीय शिविर में हिस्सा ले रहे कई खिलाड़ी भी संक्रमित पाए गए हैं।

इसी को देखते हुए आईओए प्रमुख बत्रा ने कहा कि महासंघों को खिलाड़ियों को विदेश भेजने से पहले पृथकवास से जुड़े नियमों को जांच लेना चाहिए क्योंकि अलग अलग देशों में अलग अलग नियम हैं।''

भारत के लिए सभी फॉरमेट्स में खेल सकते हैं पडिकल : गावस्कर

मुंबई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूव कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिकल अगर भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलते हुए दिखाई देते हैं, तो किसी को आश्चर्यचकित होने की जरूरत नहीं। पडिकल ने ईपीएल के 14वें सीजन के 16वें मुकाबले में गुरुवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ नाबाद 101 रनों की पारी खेली। पडिकल ने 52 गेंदों पर 11 चौके और छह छक्के लगाए। उन्होंने आईपीएल में अपना पहला शतक जमाया। गावस्कर ने कहा, मुझे इस बात से आश्चर्य नहीं होगा, यदि वह जल्द भारत के लिए किसी फॉर्मेट में खेलते हुए नजर आए। उनके पास क्लास और क्षमता है। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट और रणजी ट्रॉफी में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कई बड़ी पारियां खेली। वह 50 ओवर क्रिकेट में भी रन बनाते हैं और शतक लगाते हैं। वो जल्द ही भारतीय टीम में आ जाते हैं तो इससे बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं होगा।

गावस्कर ने कहा कि कर्नाटक से आने वाले महान बल्लेबाजों की लंबी लाइन में पडिकल नवीनतम है, जिसमें पंजाब किंग्स के कप्तान के एल राहुल भी शामिल हैं। हालांकि, गावस्कर ने कहा कि राहुल खुद पर उतना विश्वास नहीं करते जितना उन्हें करना चाहिए। गावस्कर ने कहा, कर्नाटक ने हमेशा शानदार बल्लेबाज दिए हैं। गुंडप्पा विश्वनाथ, राहुल द्रविड़, फिर केएल राहुल। और अगर केएल राहुल, आप जानते हैं, तो कुछ सितारों को खुद पर थोड़ा और अधिक विश्वास करने की जरूरत है। कभी-कभी आपको लगता है कि उन्हें लगता है। खुद पर विश्वास नहीं है। वह इतने प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और मयंक अग्रवाल हैं, करुण नायर हैं, जिन्होंने अपने पहले ही टेस्ट में तिहरा शतक लगाया है। और अब देवदत्त पडिकल भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को खुश करने वाले बल्लेबाजों की लंबी कतार में शामिल होने की कगार पर हैं।

सर्बिया ओपन : डेलबोनिस ने चौथी सीड लाजोविच को लुढ़काया

बेलग्राद :

तीसरी सीड असलान करातसेव ने निर्णायक मौके पर अपने खेल का स्तर ऊंचा उठाते हुए अलजाज बेदने को 6-3, 4-6, 7-6(5) से पराजित कर सर्बिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। करातसेव ने बेदने को हारने में दो घंटे 36 मिनट का समय लगाया और वर्ष के अपने तीसरे क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए। करातसेव को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए क्वालीफायर जियान्लुका मेजर से भिडना होगा जिन्होंने एक अन्य मुकाबले में एलेक्सी पॉपीरिन को 7-5, 6-2 से हराया। चौथी सीड सर्बिया के लाजोविच को अर्जेंटीना के डेलबोनिस ने 6-3, 2-6, 6-4 से पराजित किया और क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए। डेलबोनिस ने यह मुकाबला दो घंटे 24 मिनट में जीता। डेलबोनिस का अगला मुकाबला जापान के तारो डेनियल से होगा जिन्होंने सातवीं सीड जान मिलमैन को 3-6, 6-2, 6-3 से पराजित किया। डेनियल का टोक्यो 2019 के बाद से यह पहला एटीपी टूर क्वार्टरफाइनल है।

संक्षिप्त समाचार

गंगजी ने 66 का कार्ड खेलकर कनसाई ओपन में कट हासिल किया

कोबे (जापान) : भारतीय गोल्फर राहिल गंगजी ने यहां जापान गोल्फ टूर के दूसरे टूर्नामेंट कनसाई ओपन चैम्पियनशिप में पांच अंडर 66 का शानदार कार्ड खेला जिससे वह कट में जगह बनाने में सफल रहे। गंगजी ने 30 से भी ज्यादा महीने बाद अपना सर्वश्रेष्ठ राउंड खेला जबकि उन्होंने शुरूआत दो ओवर 73 के खराब स्कोर से की थी। अब वह संयुक्त रूप से 31वें स्थान पर चल रहे हैं। 42 साल के इस खिलाड़ी ने पिछले हफ्ते टूर से जुड़ने से पहले दो हफ्ते एहतियाती पृथकवास में बिताये थे। वह जापान टूर के पहले टूर्नामेंट में कट से चूक गए थे।

एटलेटिको स्पेनिश लीग में फिर में शीर्ष पर, मेस्सी ने दिलाई बार्सिलोना को जीत

मैड्रिड : एटलेटिको मैड्रिड ने हुएस्का को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया जबकि लियोनेल मेस्सी के दो गोल की मदद से बार्सिलोना ने गेटाफे को 5-2 से हराकर खुद को खिताब की दौड़ में बनाये रखा। एटलेटिको की जीत में एंजेल कोरिया और यानिक कारेस्को ने गोल किए। इससे एटलेटिको के 32 मैचों में 73 अंक हो गए हैं और वह रीयाल मैड्रिड से तीन अंक आगे हो गया है। मेस्सी के आठवें और 33वें मिनट में किए गए गोल से बार्सिलोना फिर से तीसरे स्थान पर पहुंचने में सफल रहा। उसके अब 31 मैचों में 68 अंक हैं। मेस्सी ने बार्सिलोना की तरफ से शुरुआती गोल किया। इसके बाद दोनों टीमों की तरफ से आत्मघाती गोल किए गए। बार्सिलोना के डिफेंडर क्लेमेंट लैंगलेट ने 12वें मिनट में अपने ही गोल में गेंद पहुंचा दी थी जबकि 28वें मिनट में गेटाफे के सोफियान चाकला ने आत्मघाती गोल किया। मेस्सी ने जल्द ही स्कोर 3-1 कर दिया लेकिन एनेस उनाल ने 69वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 3-2 कर दिया। बार्सिलोना की तरफ से रोनाल्ड आरूजो ने 87वें मिनट और एंटोनी ग्रीजमैन ने इंजुरी टाइम में गोल किए।

संधू के 66 कार्ड के बाद गगनजीत भुल्लर ने 69 का कार्ड खेला

ग्रैन कैनरिया :

भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर ने ग्रैन कैनरिया लोपेसान ओपन के शुरूआती दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेला और संयुक्त रूप से 88वें स्थान पर रहे। अजीतेश संधू ने चार अंडर 66 जबकि एसएसपी चौरसिया ने 74 का कार्ड खेलकर अपना पहला दौर खत्म कर लिया था लेकिन शुभंकर और भुल्लर 11 होल ही खेल पाये थे। नीदरलैंड के जूस्ट लुईटन और जोकिम बी हानसेन ने तेज हवा के बावजूद सात अंडर 63 के कार्ड खेले।

ला लीगा के 39 क्लबों ने सुपर लीग के गठन की निंदा की

मैड्रिड।

रियल मैड्रिड, एफसी बार्सिलोना और एटलेटिको मैड्रिड सहित स्पेनिश लीग ला लीगा के 39 क्लबों ने एक बयान जारी कर यूरोपियन सुपर लीग के गठन की निंदा की है।इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के छह क्लबों आर्सेनल, चेल्सी लिवरपूल, मैनचेस्टर सिटी, मैनचेस्टर यूनाइटेड और टॉटेनहम हॉटस्पर क्लबों ने 20 टीमों की एक यूरोपियन सुपर लीग बनाने की हाल में घोषणा की थी। लेकिन बाद में इन्हीं क्लबों ने प्रस्तावित 20 टीमों की यूरोपियन सुपर लीग से हटने की पुष्टि की, जिसके बाद यूरोपियन सुपर लीग ने घोषणा की कि यह इस परियोजना को फिर से शुरू करने के लिए कदम उठाएगा। इस बीच, ला लीगा और लीगा स्मार्टबैंक (द्वितीय श्रेणी) के 39 क्लब इस योजना में शामिल नहीं हैं, जिसमें वालेंसिया, विलारियल, सेविला, एथलेटिक क्लब बिल्बाओ और रियल बेटिस शामिल हैं। इन क्लबों ने मैड्रिड में ला लीगा कार्यालयों में बैठक की और स्थिति पर चर्चा की। बैठक के बाद उन्होंने सुपर लीग के खिलाफ एक संयुक्त बयान जारी किया।बयान के अनुसार, बैठक में उपस्थित क्लबों ने सर्वसम्मति और दृढ़ता से इस प्रतियोगिता की योजनाओं को अस्वीकार कर दिया। सभी क्लब घरेलू लीगों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय क्लब प्रतियोगिताओं में क्वालीफाई करने के एकमात्र मापदंड के रूप में खेल योग्यता में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड के अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज ने यूरोपियन सुपर लीग के गठन का समर्थन करते हुए कहा था कि संकट के इस घड़ी में यह नई लीग फुटबाल को बचाएगी। उन्होंने साथ ही यह भी कहा था कि इस यूरोपियन सुपर लीग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को उनकी राष्ट्रीय टीमों में प्रतिनिधित्व करने से प्रतिबंधित नहीं किया जाएगा। लेकिन अब ला लीगा के अध्यक्ष जेवियर टेबस ने रियल मैड्रिड की आलोचना की है। उन्होंने कहा, वे हमें नहीं बता सकते कि वे फुटबॉल बचाने आए हैं। वे यह नहीं कह सकते कि वे हमें बर्बाद होने से बचाना चाहते हैं, यह सच नहीं है और न ही वे कह सकते हैं कि वे राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे, क्योंकि यह उन्हें आर्थिक और खेल दोनों दृष्टि से नुकसान पहुंचाएगा।

ओलंपिक पर फिर छाए संकट के बादल!, तोक्यो में तीसरे स्तर के आपातकाल की घोषणा हुई

तोक्यो : ओलंपिक खेलों के शुरू होने से लगभग तीन महीने पहले जापान ने राजधानी तोक्यो सहित पश्चिमी क्षेत्र के तीन प्रांतो में कोरोना वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए शुक्रवार को तीसरे स्तर के आपतकाल की घोषणा की। प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने तोक्यो, ओसाका, क्योटो और ह्योगो में 25 अप्रैल से 11 मई तक के लिए इस आपातकाल की घोषणा की है। सुगा ने कहा कि यह कदम इसलिए भी उठाया गया ताकि जापान में अप्रैल के आखिरी सप्ताह से मई के पहले सप्ताह तक गोल्डन वीक की छुट्टियों के दौरान लोगों को एक जगह से दूसरी की यात्रा करने से रोक कर वायरस के प्रसार को नियंत्रित किया जा सके। विशेषज्ञों और स्थानीय नेताओं ने हालांकि मौजूदा अर्ध-आपातकाल उपायों को नाकाफी बताते हुए तुरंत कड़े कदम उठाने की मांग की है। जापान में अब तक कोविड-19 के लगभग पांच लाख मामले सामने आये है जिसमें करीब 10,000 लोगो की मौत हुई है। जापान ने हालांकि पूर्ण रूप से लॉकडाउन नहीं लगाया गया है।

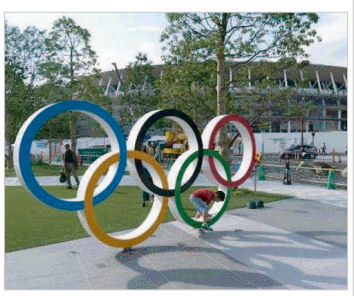

अमित शाह ने गुजरात में कोरोना के हालात का लिया जायजा

अमित शाह की पहल पर जीएमडीसी मैदान में सात दिन में ही डीआरडीओ ने हॉस्पिटल को खड़ा कर दिया

अहमदाबाद ।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद में डीआरडीओ निर्मित ९०० बेड के कोविड-१९ स्पेशल हॉस्पिटल का उद्घाटन किया । अमित शाह की पहल पर जीएमडीसी मैदान में सात दिन में ही डीआरडीओ ने इस हॉस्पिटल को खड़ा कर दिया, इसमें १३० आइसीयू बेड तथा ७५० ऑक?सीजन सुविधा वाले बेड हैं । अस्पताल का संचालन सेना के डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ करेगा । शुक्रवार शाम को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अहमदाबाद पहुंचे, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल व रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन (डीआरडीओ) के उच्च अधिकारियों के साथ जीएमडीसी मैदान पहुंचे, जहां उन्होंने चंद दिनों में निर्मित इस अस्पताल का जायजा लिया। अमित शाह ने गुजरात के मुख्यमंत्री व अन्य आला अधिकारियों के साथ यहीं पर एक उच्चस्तरीय बैठक कर गुजरात में कोरोना के हालात पर चर्चा की । इसमें अमित शाह ने राज्य में बेड की उपलब्धता, ऑक्सीजन की कमी, रेमडेसीवर इंजेक्शन के साथ वैक?सीनेशन की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया । डीआरडीओ, अहमदाबाद महानगर पालिका के अधिकारियों ने अमित शाह को एक प्रजेंटेशन के माध्यम से कोरोना के ताजा हालात व सुविधाओं की जानकारी दी । इससे पहले मुख्यमंत्री रूपाणी ने प्रदेश में कोरोना से निपटने के लिए किए गए उपायों की जानकारी दी । रूपाणी ने बताया कि १५ मार्च को गुजरात में ४२००० बेड उपलब्ध थे, जो अब ९० हजार हैं । राज्य के १८०० कोविड-१९ स्पेशल हॉस्पिटल ११५०० आइसीयू बेड तथा ५१ हजार ऑक्सीज न बेड उपलब्ध है । टेस्टिंग की क्षमता ५०,००० थी, जिसे बढ़ाकर एक लाख ७५ हजार की गई है । इनमें करीब ७० हजार टेस्ट आरटी-पीसीआर के शामिल है। प्रदेश में बेहतर कोरोना प्रबंधन के लिए सरकारी तथा निजी चिकित्सकों की एक टास्क फोर्स बनाई गई है । सरकार उनके दिशा निर्देश व मार्गदर्शन में लगातार सुविधा व उपचार व्यवस्था में परिवर्तन भी करती रहती है। प्रदेश में ३०,००० माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं तथा २० हजार टीमें मेडिकल सुविधाएं प्रदान कर रही है।

कोरोना संकट के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट कार्निवल होगा

अहमदाबाद ।

गुजरात में कोरोना वायरस की दूसरी लहर हाहाकार मचा रखा है । अहमदाबाद में कोरोना संक्रमितों की संख्या खतरनाक रूप से बढ़ रही है । कोरोना संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के लिए नाइट कर्फ्यू सहित स्वैच्छिक लॉकडाउन लगाया जा रहा है ।

फिर भी संक्रमण तेजी से फैल रहा है । इस बीच शहर के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक बार फिर क्रिकेट कार्निवल का आयोजन होने जा रहा है । २६ अप्रैल से इंडियन प्रीमियर लीग के १२ मैच खेले जाने हैं । मिल रही जानकारी के अनुसार, २६ अप्रैल को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ८ लीग मैच और ४ नॉकआउट मैच खेले जाने हैं । जिसमें फाइनल, सेमीफाइनल सहित ४ नॉकआउट मैच शामिल हैं । इन मैचों को खेलने के लिए विभिन्न टीमों के खिलाड़ी २४ अप्रैल से अहमदाबाद पहुंचेंगे । कोरोना महामारी के मद्देनजर इस साल मुंबई और चेन्नई के स्टेडियमों में दर्शकों के बिना आईपीएल मैच खेले जा रहे हैं ।

इसी तरह अहमदाबाद में भी क्रिकेट प्रशंसकों को कोरोना की वजह से स्टेडियम में एंट्री नहीं दी जाएगी । अहमदाबाद में भी बिना दर्शक के तमाम मैच खेले जाएंगे । बाजवूद इसके अहमदाबाद में होने वाले आईपीएल मैचों को लेकर शहर के क्रिकेट प्रशंसकों में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है । गौरतलब है कि इससे पहले पिछले महीने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाले टी २० मैच के दौरान दर्शकों की भारी भीड़ स्टेडियम में दिखाई दी थी ।

उसके बाद से ही अहमदाबाद में कोरोना के दैनिक मामलों में भारी वृद्धि दर्ज की जा रही है । उस समय मैच देखने आईआईएम के कुछ छात्र भी गए थे । जिसमें से कुछ कोरोना संक्रमित हो गए थे । जिसकी वजह से आईआईएम में आज भी छात्र कोरोना से संक्रमित पाए जा रहे हैं ।

जायडस की कोरोना दवा को मिली DCGI की मंजूरी

हाईकोर्ट ने कोरोना संकट को लेकर स्वतः संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर राज्य सरकार को नसीहत दी

अहमदाबाद ।

देश में कोरोना के बढ़ते आंतक पर काबू पाने के लिए टीकाकरण की गति को तेज करने का फैसला किया गया है । इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि दो स्वदेशी कोविशील्ड और कोवैक्सिन के बाद केंद्र सरकार ने एक और स्वदेशी दवा को आपातकालीन मंजूरी दी है । भारत के ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने जायडस की Virafin दवा को इमरज ेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है । जिसके बाद जायडस ने दावा किया कि दवा खाने के ७ दिन बाद ९१ ।१५ फीसदी मरीजों की कोरोना रिपोर्ट गिगेटिव आई है । कंपनी का दावा है कि Pegylated Interferon Alpha 2b दवा १८ साल से अधिक उम्र के सामान्य लक्षणों वाले रोगियों में प्रभावी दिखाया गया है । क्लीनिकल ट्रायल में ९१.१५ प्रतिशत तक परिणाम मिले हैं । इन परिणामों से संकेत मिलता है कि दवा को समय पर देने से रोगी को तेजी से ठीक होने में मदद मिल सकती है । इतना ही नहीं कोरना संक्रमित बीमारी के उन्नत चरणों में देखी गई जटिलताओं से बचा जा सकता है । ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिलने के बाद कंपनी ने दावा किया है मानव परीक्षण का तीसरा चरण भारत में २०-२५ केंद्रों पर २५० रोगियों पर आयोजित किया गया था और इसके विस्तृत परिणाम जल्द ही जारी किए जाएंगे ।

पिछले हफ्ते कंपनी के एक सार्वजनिक बयान में कहा गया था कि दवा बीमारी में जल्दी इस्तेमाल होने पर मरीजों को तेजी से ठीक करने में मदद कर सकती है । इसके साथ ही दवा लेने पर संक्रमित बीमारी के उन्नत चरण के जटिलताओं से बच सकता है । बीमारी में Pegylated Interferon Alpha-2b की एक खुराक देना इन रोगियों के लिए सस्ता और कम बोझ साबित होगा ।

डिलीवरी के बाद वेंटिलेटर नहीं मिलने से दो महिला की मौत

सूरत ।

जिले में कोरोना के २००० से अधिक मामले रोजाना जुड़ रहे हैं । लगातार बढ़ रहे मामलों के बाद अस्पताल हाउसफुल हो गए हैं । जिसकी वजह से अस्पतालों पर इतना दबाव बढ़ गया है कि अन्य बीमारियों से पीड़ति मरीजों को इलाज नहीं मिल पा रहा है । ऐसा ही एक मामला सामने आया है सूरत से जहां सीजेरियन से दो महिलाओं की डिलीवरी करवाई गई । लेकिन ऑपरेशन के बाद इन महिलाओं को वेंटिलेटर नहीं मिलने से उनकी मौत हो गई । ज्यादातर महिलाओं को प्रसव के बाद वेंटिलेटर के सपोर्ट की ज रूरत होती है । कई महिलाओं में डिलीवरी के बाद हीमोग्लोबिन की कमी सहित अन्य समस्याएं पैदा हो जाती है । जिसकी वजह से उनकी तबीयत खराब हो जाती है । वेंटिलेटर पर रखने से अधिकांश महिलाओं की जिंदगी बच जाती है ।

अभी एक हफ्ते पहले वराछा इलाके में रहने वाली महिला ने एक निजी अस्पताल में सीजेरियन से बच्चे को जन्म दिया था । हालांकि बाद में महिला की तबीयत बिगड़ गई और उसे तत्काल वेंटिलेटर की जरूरत पड़ी । महिला का परिवार वेंटिलेटर के लिए कई अस्पतालों में भटकता रहा, लेकिन कोई व्यवस्था नहीं हुई । आखिरकार महिला को स्मीमेर अस्पताल ले जाने का फैसला किया गया, लेकिन रास्ते में महिला ने अंतिम सांस ली । शहर के पांडेसरा इलाके से एक ऐसा ही मामला सामने आया है । जहां एक ४० साल की महिला ने ४ दिन पहले एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन के जरिए बच्चे को जन्म दिया था । हालांकि थोड़ी देर बाद उसकी तबीयत अचानक खराब हो गई । महिला को सांस लेने में कठिनाई होने लगी । जिसके कारण उसे वेंटिलेटर पर रखने की जरूरत पड़ी । लेकिन वेंटिलेटर की व्यवस्था नहीं होने पर आखिरकार महिला की मौत हो गई ।

उधना रेलवे ट्रैक पर दो युवकों की तीक्ष्ण हथियारों से गोदकर हत्या

सूरत।

शहर के उधना रेलवे ट्रैक पर देर रात दो युवकों की हत्या से सनसनी फैल गई। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की कवायद तेज कर दी है। जानकारी के मुताबिक सूरत के डिंडोली नवागाम के शिवहीरानगर निवासी रवि प्रेम कुमार शर्मा नामक युवक देर रात क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर अजय उर्फ शरद आनंद पाटील के साथ घूमने निकला था। घूमते घूमते दोनों उधना क्षेत्र में नवागाम मोजी स्ट्रीट के सामने सूरत-मुंबई रेलवे ट्रैक पर पहुंच गए। जहां मंगल कुशवाहा और धमो नामक दो शख्स बैठे थे। क्षेत्र के लोगों में अजय उर्फ शरद की दहशत है, जिसे वह बरकरार रखना चाहता था। मंगल और धमो को देख अजय ने वहां बैठने की वजह पूछी और दोनों को वहां से खदेड़ दिया। हांलाकि मंगल और धमो उस वक्त तो वहां से रवाना हो गए, लेकिन कुछ ही देर बाद दोनों अपने साथियों और तीक्ष्ण हथियारों के साथ अजय और रवि के पास पहुंच गए। सात शख्सों ने तीक्ष्ण हथियार से अजय पर हमला कर दिया। अजय को बचाने का प्रयास कर रहे रवि को भी नहीं बख्शा। सातों शख्सों ने तीक्ष्ण हथियारों से गोदकर अजय और रवि की हत्या कर दी। मृतक रवि शर्मा के भाई हरेश शर्मा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोहरी हत्या के मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की कवायद तेज की है। पुलिस के मुताबिक । आरोपियों में तीन हिस्ट्रीशीटर हैं। जिनके खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी, घरफोड चोरी इत्यादि के मामले दर्ज हैं।

अहमदाबाद में बढ़ा कोरोना वायरस का कहर

ग्रामीण इलाकों में स्वैच्छिक लॉकडाउन

अहमदाबाद शहर के बाद ग्रामीण इलाकों में कोरोना वायरस की वजह से स्थिति अब चिंताजनक हो गई है

अहमदाबाद ।

गुजरात में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने हाहाकार मचा रखा है । राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए नाइट कर्फ्यू का सख्ती से पालन करवा रही है । बावजूद दैनिक मामलों में भारी वृद्धि का सिलसिला जारी है । कुछ लोग कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए स्वैच्छिक लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं । अहमदाबाद शहर के बाद ग्रामीण इलाकों में कोरोना की वजह से स्थिति चिंताजनक हो गई है । अहमदाबाद जिले में हर दिन ८० से अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं । जिसकी वजह से ग्रामीण इलाकों में स्वैच्छिक लॉकडाउन का पालन किया जा रहा है । पिछले २४ घंटों में अहमदाबाद जिले में कोरोना के ८४ नए सकारात्मक नए मामले दर्ज हुए हैं ।

कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए जिले के वीरमगाम, मांडल, देत्रोज, साणंद, दस्क्रोई तालुका सहित गांवों में व्यापार संघों और ग्रामीणों ने एक या दो दिन का लॉकडाउन या फिर कुछ घंटो के तालाबंदी की घोषणा की गई है । साणंद के ४१ गांवों में स्वैच्छिक तालाबंदी की घोषणा की गई है । जबकि बावणा तालुका के ८ गांवों में स्वैच्छिक बंद का निर्णय लिया गया है । इसके अलावा दस्क्रोई तालुका के विसलपुर, कठवाड़ा, पालड़ी-कांकज सहित गांवों में स्वैच्छिक तालाबंदी की जा रही है । इस प्रकार कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए ग्रामीणों ने आंशिक तालाबंदी कर दी है । अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट में कोरोना मामलों के साथ ही साथ मरने वालों की संख्या भी बढ़ रही है ।

अहमदाबाद में सरकारी और निजी अस्पताल में कोरोना रोगियों के इलाज के लिए जगह ही नहीं बची है । अहमदाबाद सिविल अस्पताल में ९५ प्रतिशत बेड कोरोना रोगियों से भरे हुए हैं । कोरोना की दूसरी लहर गुजरात में खतरनाक साबित हो रही है । गुजरात में शहरों के बाद अब गांवों में भी कोरोना मामलों में वृद्धि से सरकार की चिंता बढ़ गई है । राज्य के कुछ गांवों ने कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए स्वैच्छिक तालाबंदी की घोषणा की है ।

घर की छत ढहने से दो बच्चों की मौत

सूरत।

शहर के उधना क्षेत्र में देर रात एक मकान की छत ढहने से दो बच्चों समेत चार लोग दब गए। घटनास्थल पर पहुंची फायर विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर मलबे से चारों को बाहर निकाला और अस्पताल भेज दिया। जहां डॉक्टर ने बच्चों को मृत घोषित कर दिया। इस घटना में माता-पिता घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक सूरत के उधना क्षेत्र की अंबर कॉलोनी निवासी 38 वर्षीय नरेश बंसीलाल खटिक ड्राइवरी कर परिवार का जीवनयापन करते हैं। परिवार में 35 वर्षीय पत्नी शारदा खटिक, 11 वर्षीय पुत्र नैतिक और 8 वर्षीय पुत्री निधि खटिक शामिल है। बीती रात नरेश खटिक पलंग पर और पत्नी व दो बच्चे जमीन पर सो रहे थे। देर रात करीब पौने बारह बजे अचानक मकान की छत भरभरा कर ढह गई। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। खबर मिलते ही फायर विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और मलबे में दबे परिवार के चारों सदस्यों को बाहर निकाला अस्पताल भेज दिया। जहां डॉक्टर ने नैतिक और निधि को मृत घोषित कर दिया। इस घटना में पति-पत्नी भी घायल हुए हैं और दोनों की स्थिति स्थिर है।

एक्सपायरी डेट के रेमडेसिवीर इंजेक्शन की कालाबाजारी और उसमें भी पानी

सूरत।

सूरत पुलिस ने एक्सपायरी डेट के रेमडेसिवीर इंजेक्शन की कालाबाजारी करने के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि रेमडेसिवीर इंजेक्शन में पानी भरकर शख्स प्रति इंजेक्शन 7000 रुपए में बेच रहा था। कोरोना महामारी ने कहर बरपा रखा है। रेमडेसिवीर इंजेक्शन और ऑक्सीजन के अभाव में कई मरीज अपनी जान गंवा रहे हैं। ऐसे में भी कुछ निहित स्वार्थी तत्व अपनी जेबें भरने में लगे हैं। सूरत में एक शख्स ने मानवता की सारी सीमाएं लांघ दी थी। इस शख्स ने जरूरतमंद एक व्यक्ति को प्रति इंजेक्शन रु. 1000 के दर पर । इंजेक्शन रु. 42000 में बेच दिए। एक्सपायरी डेट के इंजेक्शन की शीशियों में पानी भरा था। खरीदने वाले व्यक्ति को रेमडेसिवीर इंजेक्शन का लिक्विड फार्म देख संदेह हुआ तो उसने शीशी पर एक्सपायरी डेट चेक की। एक्सपायरी डेट में भी छेड़छाड़ कर उसे 2020 की जगह 2021 किया गया था। दरअसल जिग्नेश नामक व्यक्ति के मामा का पुत्र कोरोना संक्रमित है और उसका ऑक्सीजन लेवल 80 से 85 पर पहुंच गया है। उसके लिए रेमडेसिवीर इंजेक्शन की बेहद जरूरत थी। किसी के जरिए जिग्नेश का इंजेक्शन बेचने वाले से संपर्क हुआ। जिग्नेश ने । इंजेक्शन की जरूरत बताई। शख्स ने कहा कि प्रति इंजेक्शन रु. 1000 में मिलेगा। शख्स ने जिग्नेश को सूरत के अठवा गेट के पास बुलाया, जहां रु. 42000 लेकर शख्स ने जिग्नेश को इंजेक्शन दे दिए। इंजेक्शन देकर शख्स वहां से रवाना हो गया। हेट्रो कंपनी का रेमडेसिवीर इंजेक्शन पाउडर फार्म में आता है, परंतु जिग्नेश ने जो इंजेक्शन ऊंचे दाम पर खरीदे थे वह लिक्विड फार्म में थे। संदेह होने पर उसने एक्सपायरी डेट चेक की। उसमें भी छेड़छाड़ कर 2020 की जगह 2021 किया गया था। जिग्नेश ने तुरंत पुलिस में शख्स के खिलाफ शिकायत कर दी। सरथाणा पुलिस ने शख्स को गिरफ्तार कर लिया।

पाक.ने ३५ मछुआरों को भारतीय जलसीमा से गिरफ्तार कर लिया

गांधीनगर ।

पाकिस्तान ने ३५ भारतीय मछुआरों को भारतीय जलसीमा से गिरफ्तार कर लिया है । पाक का आरोप है कि यह मछुआरे पाकिस्थान की सीमा में कथित रूप से प्रवेश कर लिया था । पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने मछुआरों के साथ उनकी ५ नौकाओं को भी जब्त कर लिया है । मिल रही जानकारी के अनुसार पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एज ेंसी ने बंदूक की नोंक पर जखौ के पास भारतीय जलसीमा में मछली पकड़ने के दौरान ३५ से अधिक मछुआरों को उनकी नावों के साथ अगवा कर लिया । पोरबंदर और ओखा के मछुआरों को पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एंजेसी अगवा कर कराची ले जा रही है।

उल्लेखनीय है कि पिछले १० दिनों में पाकिस्तान द्वारा गुजरात के मछुआरों के अपहरण की यह दूसरी घटना है । इससे पहले १४ अप्रैल को पोरबंदर से एक नाव और छह मछुआरों को पाकिस्तान मरीन ने अपहरण कर लिया था । पाकिस्तान द्वारा जारी अपहरण के बाद भारत के मछुआरे दहशत की स्थिति पैदा हो गई है ।

गौरतलब है कि शीलकालीन सत्र में गुजरात से कांग्रेस सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने राज्यसभा में पाकिस्तानी जेलों में बंद मछुआरों का मुद्दा उठाया था । गोहिल ने कहा, गुजरात की समुद्री सीमा पाकिस्तान के साथ जुड़ी है । जिसकी वजह से पाकिस्तानी नौसेना मछुआरों को गिरफ्तार करती है और उनकी नावों को जब्त कर लेती है । ऐसे मछुआरों को रिहा करवाया जाए और उनकी नौकाओं के साथ वापस लाया जाना चाहिए । गोहिल ने बताया कि ४०० भारतीय मछुआरे पाकिस्तान के कराची की केंद्रीय जेल में बंद हैं । जबकि उनकी १,१०० नौका भी पाकिस्तान के कब्जे में है । इसलिए सरकार से मछुआरों की रिहाई और उनकी नावों को छुड़वाने के लिए उचित कदम उठाने का आग्रह किया ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)